डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

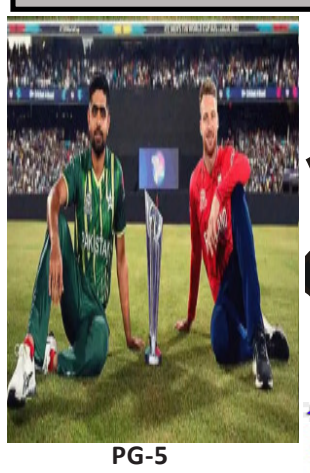

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

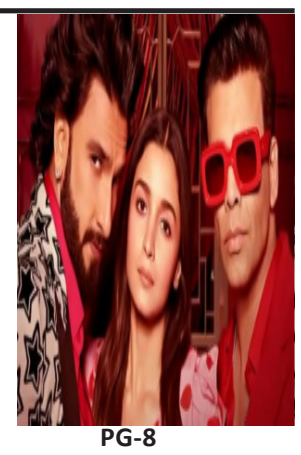

PG-8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाः-इंतजार खत्म,रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट का एलान

वर्ष -08 अंक -215 | प्रयागराज, सोमवार, 14 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

डेमोक्रेटिक पार्टी का सीनेट पर बना रहेगा कब्जा, डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदों को लगा झटका

वाशिंगटन। अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को मिली जीत से राष्ट्रपति जो बाइडन की सीनेट पर पकड़ एकबार फिर मजबूत हो गई है। नेवादा और एरिजोना में रिपब्लिकन पार्टी से करीबी मुकाबले में जीत

के बाद डेमोक्रेट अगले दो वर्षों तक सीनेट में अपना कब्जा बनाए रखेगी। डेमोक्रेट्स के पास अब रिपब्लिकन की 49 सीटों के मुकाबले 50 सीनेट सीटें हो गई हैं। डेमोक्रेट को सीनेट में बहुमत के लिए चाहिए 1 सीट डेमोक्रेट्स को सीनेट में बहुमत पाने के लिए अब सिर्फ एक और सीट जीतने की जरूरत है। नेवादा और एरिजोना जैसे दो राज्यों में जीत ने जो बाइडन के लिए सदन में दो और साल को पक्का कर दिया है। व्हाइट हाउस में अपने पहले कार्यकाल के शेष दो वर्षों में राष्ट्रपति बाइडन के लिए सीनेट नियंत्रण बनाए रखना एक बहुत बड़ी जीत की तरह हैं।इन दो सीटों पर जीत के साथ ही जो बाइडन के हाथ और मजबूत हो गए हैं। इसका मतलब है कि डेमोक्रेट्स सीनेट में सदन द्वारा पारित बिलों को अस्वीकार कर सकेगी और बाइडन अपना एजेंडा सेट कर पाएंगे। इस बीच, रिपब्लिकन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में बहुमत के करीब पहुंच रहे हैं। रिपब्लिकन धीरे-धीरे 218 सीटों के करीब पहुंच रहे हैं जो उन्हें सदन में बहुमत दिलाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने जीत के बाद कहा कि वह अमेरिकी चुनाव में मतदान से अविश्वसनीय रूप से प्रसन्न हैं और कहा कि रिपब्लिकन पार्टी को अब यह तय करने की आवश्यकता होगी कि वे क्या कर रहे हैं और क्यों सदन में हैं।

उच्च न्यायालयका त्रावणकोर व कोचीन देवस्वोम बोर्ड को निर्देश

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड और कोचीन देवस्वोम बोर्ड को निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि सबरीमाला तीर्थयात्रियों को मंदिरों में उचित सुविधाएं प्रदान की जाए, जिन्हें एडाथावलम (ट्रांजिट कैंप) के रूप में पहचाना जाता है। उच्च न्यायालय ने मंडला-मकरविलक्कू त्योहार के मौसम के दौरान सबरीमाला दर्शन के लिए त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड द्वारा वर्चुअल-क्यू प्रणाली के कार्यान्वयन और प्रबंधन के संबंध में सबरीमाला

के विशेष आयुक्त की रिपोर्ट के आधार पर एक स्वतः याचिका पर विचार करते हुए निर्देश जारी किया। नीलक्कल, पंबा, सन्निधानम में भीड़ प्रबंधन और तीर्थयात्रियों के लिए ट्रेकिंग पथ, परिवहन सुविधाएं आदि।

कर्नाटक पुलिस ने दुष्कम हत्या केस में महज नौ दिन में आरोप पत्र किया दाखिल

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। कर्नाटक पुलिस ने कलबुर्गी जिले में एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म और हत्या के मामले में नौ दिनों के भीतर

आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में 16 साल के एक आरोपित को वारदात के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया था पुलिस टीम को एक लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा गृह मंत्रालय ने त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को एक लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस कर्मियों ने इनाम की आधी राशि पीड़िता के परिवार को देने का फैसला किया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के समक्ष सभी सुबूतों के साथ चार्जशीट दाखिल की।चौंकाने वाली वारदात एक नवंबर को तब सामने आई थी, जब शौच के लिए निकली 16 वर्षीय किशोरी की हत्या कर दी थी। प्रारंभिक जांच से पता चला था कि किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। कलबुर्गी की पुलिस अधीक्षक ईशा पंथ ने मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया था टीम ने 24 घंटे में मामले का पर्दाफाश कर तीन नाबालिगों को गिरफ्तार किया था। बाद में जांच में पता चला कि यह अपराध 16 वर्षीय एक आरोपित ने किया था। आरोपित ने लड़की को गन्ने के खेत में घसीटा और उसका यौन शोषण किया। बाद में उसकी हत्या कर दी थी।

हत्याकांड की दोषी नलिनी श्रीहरन जेल से रिहा, बोलीं- मैं अब अपने परिवार के साथ रहना चाहती हूं

(आधुनिक समाचार सेवा)

चेन्नई। राजीव गांधी हत्याकांड के सभी दोषियों को तीन दशक की कैद के बाद शनिवार को तमिलनाडु की जेल से रिहा कर दिया गया। वी श्रीहरन उर्फ मुरगन की पत्नी नलिनी को सबसे पहले रिहा किया गया। उसने दावा किया कि वह चाहती हूं। उन्होंने इस दौरान हमारी बहुत मदद की। उन्होंने आगे कहा कि मैं गांधी परिवार के किसी भी सदस्य से मिलने की योजना नहीं बना रही हू मुरगन के साथ एक अन्य दोषी एस राजा उर्फ सान्तन को भी वेल्लोर जेल से रिहा कर दिया गया। दो दोषी राबर्ट पेस और

निर्दोष हैं, इस दृढ़ विश्वास ने उसे इतने वर्षों तक जीवित रखा नलिनी श्रीहरन केंद्र व राज्य सरकार का जताया आभार वेल्लोर स्थित महिलाओं की विशेष जेल से रिहा होने के बाद नलिनी वेल्लोर सेंट्रल जेल गई, जहां से उसके पति श्रीहरन उर्फ मुरगन जो श्रीलंका का नागरिक है उसे रिहा किया गया। उसे देखकर वह काफी भावुक हो गई। समाचार एजेंसी एएनआइ से बातचीत के दौरान नलिनी श्रीहरन ने कहा कि मैं अपने परिवार के साथ रहना चाहती हूं। मेरे परिवार के सभी सदस्य इतने लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। मैं राज्य और केंद्र सरकार को धन्यवाद देना जयकुमार को यहां पुझल जेल से रिहा कर दिया गया। छठे दोषी पी रविचंद्रन को मुदुरई जेल से रिहा किया गया। एक अन्य दोषी एजी पेरारिवलन को मई में रिहा किया गया था पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के 4 दोषी त्रिची के विशेष शिविर पहुंच गए हैं। बता दें कि रॉबर्ट पायस और जयकुमार को पुझल केंद्रीय जेल से रिहा किया गया है। वहीं, मुरुगन और संथन को वेल्लोर केंद्रीय जेल से रिहा किया गया है बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आजीवन कारावास की सजा काट रहे छह दोषियों को समय से पहले रिहा करने का आदेश दिया था। जस्टिस बीआर गवई और बीवी नागरत्ना की पीठ ने कहा था इस केस में दोषी एजी पेरारिवलन के मामले में अदालत का फैसला इन दोषियों पर भी लागू होता है। तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक रैली के दौरान राजीव गांधी की 21 मई 1991 को महिला ने आत्मघाती हमले में हत्या कर दी गई थी। उसका संबंध लिट्टे से था। इस मामले में सात लोगों को फांसी की सजा दी गई थी। वर्ष 2000 में दोषी नलिनी श्रीहरण की सजा को फांसी से आजीवन कारावास में बदल दिया गया था। वहीं वर्ष 2014 में अन्य छह लोगों की भी सजा को आजीवन कारावास में तब्दील कर दिया गया था। उसी वर्ष तमिलनाडु की तत्कालीन मुख्यमंत्री जे जयललिता ने सातों दोषियों को रिहा करने की सिफारिश की थी। कांग्रेस ने राजीव गांधी हत्या मामले में दोषियों की रिहाई पर भाजपा की चुप्पी को लेकर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि आतंकवादियों को लेकर किसी भी तरह की नरमी नहीं होनी चाहिए। यह टिप्पणी द्रमुक की ओर से सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले के स्वागत के एक दिन बाद आई। कांग्रेस ने इसे पूरी तरह अस्वीकार्य और गलत बताया। कांग्रेस ने कहा कि वह पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की राय से भी सहमत नहीं है, जिनकी अपील की वजह से राजीव गांधी हत्याकांड में दोषियों को राहत मिली है। पार्टी का कहना है कि वह उनकी निजी राय है। लेकिन कांग्रेस पार्टी इस मामले को लेकर अपनी बात पर अडिग है।

एम्स के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया ने ली स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स के पूर्व निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने स्वैच्छिक

सेवानिवृत्ति ले ली है। डॉ रणदीप गुलेरिया उन प्रमुख लोगों में से थे, जिन्होंने कोविड-19 महामारी के चरम के दौरान केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया टीम का नेतृत्व किया था। उन्होंने देश में कोविड-19 से जुड़े इलाज के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी प्रमुख भूमिका निभाई। बता दें कि एम्स के पूर्व निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने 30 से अधिक वर्षों तक एम्स में सेवाएं दी। एम्स के पूर्व निदेशक ने 23 सितंबर को अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद वीआरएस के लिए आवेदन किया था। डॉ गुलेरिया अप्रैल 2024 में सेवानिवृत्त होने वाले थे। लेकिन उससे पहले ही उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली। के निदेशक के रूप में डॉ रणदीप गुलेरिया का कार्यकाल मार्च के महीने में समाप्त होना था। हालांकि, इससे पहले उनका कार्यकाल दो बार बढ़ाया गया था। उन्होंने मार्च 2017 में एम्स दिल्ली के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला था। 5 अप्रैल 1959 को हिमाचल प्रदेश में पैदा हुए डॉ रणदीप गुलेरिया को 2015 में भारत सरकार द्वारा देश के चौथे सर्वोच्च भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया था।

बोरिस जानसन बोले, ब्रिटेन और भारत को अब पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे की जरूरत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने कहा है कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के संबंध और आगे बढ़ेंगे। दोनों देशों को आज एक-दूसरे की पहले से कहीं अधिक आवश्यकता है। उन्होंने दोनों देशों को मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने को कहा। इसके लिये वह अगली दिवाली का इंतजार नहीं कर सकते। वह एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम खतरनाक और बहुत ही कठिन समय में रह रहे हैं जानसन ने कहा कि उनकी ओर से शुरू किया गया कोई भी अभियान इतना सफल नहीं रहा, जितना इस वर्ष अप्रैल में उनका गुजरात दौरा। उन्होंने कहा कि चारों ओर मेरी तस्वीरें थीं। सड़कों

के किनारे खड़े होकर हजारों की संख्या में लोग अभिवादन कर रहे थे। ब्रिटेन के पूर्व पीएम ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मैंने इस दौरान भारत-ब्रिटेन साझेदारी के भविष्य को लेकर चर्चा की थी। बातचीत शानदार रही और इसके परिणाम भी सामने आए। दूसरे देशों से ब्रिटेन आने वाले छात्रों में भारत का पहला स्थान है।

15 नवंबर को होगा देश के पहले प्राइवेट राकेट विक्रम का प्रक्षेपण

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। देश का पहला प्राइवेट राकेट लांच के लिए तैयार है। निजी रूप से निर्मित राकेट विक्रम-एस का 15 नवंबर को प्रक्षेपण किया

जाएगा। हैदराबाद स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने यह घोषणा की है। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के संस्थापक एवं प्रख्यात वैज्ञानिक विक्रम साराभाई को श्रद्धांजलि देने के लिए इसे 'विक्रम' नाम दिया गया है।स्काईरूट एयरोस्पोस के इस पहले मिशन को 'प्रारंभ' नाम दिया गया है। देश का पहला निजी राकेट अपने साथ तीन पेलोड ले जाएगा। इनमें दो भारतीय और एक विदेशी ग्राहक का पेलोड होगा। इसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा स्थित लांच पैड से प्रक्षेपित किया जाएगा। स्काईस्पेस एयरोस्पेस ने शुक्रवार को कहा, 'दिल की धड़कनें तेज हो गई हैं। सभी की दृष्टि आकाश में टिकी हैं। पृथ्वी सुन रही है। सभी कुछ 15 नवंबर के प्रक्षेपण के लिए है। 'स्काईरूट एयरोस्पेस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक पवन कुमार चांदना ने कहा कि यह प्रक्षेपण सुबह करीब साढ़े 11 बजे किया जाएगा। चेन्नई स्थित एयरोस्पेस स्टार्टअप स्पेसकिड्ज भारत, अमेरिका, सिंगापुर और इंडोनिशिया के छात्रों द्वारा विकसित 2.5 किलोग्राम का पेलोड 'फन-सैट' को अंतरिक्ष में भेजेगा। इस अभियान के साथ ही स्काईरूट भारत में पहली निजी अंतरिक्ष कंपनी बन जाएगी। यह अंतरिक्ष क्षेत्र में नए युग की शुरुआत होगी। 2020 में निजी क्षेत्र के लिए इसे खोला गया था।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को कर्नाटक हाईकोर्ट ने दी गर्भपात की मंजूरी, सरकार उठाएगी आपरेशन का खर्च

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। 13 साल की दुष्कर्म पीड़िता के 25 सप्ताह का गर्भ गिराने के मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में पीड़िता को गर्भ गिराने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि गर्भ गिराने का आपरेशन सरकारी अस्पताल के

डाक्टरों की सलाह पर ही किया जाएग सरकार उठाएगी गर्भपात का खर्च कर्नाटक हाईकोर्ट ने मामले को लेकर सुनवाई करते हुए अस्पताल के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस आपरेशन का खर्च सरकार ही उठाएगी और आपरेशन के बाद पीड़िता के भ्रूण को भविष्य में की जाने वाली डीएनए जांच के लिए भी संरक्षित रखा जाएगा। साथ ही अदालत ने हिदायत दी की गर्भपात की प्रक्रिया गर्भपात कानून (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी रूल्स, 1971) के अनुसार ही की जाए। इसके अलावा कोर्ट ने कहा कि गर्भपात के लिए पीड़िता और उसके परिवार वालों को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था पुलिस करेगी और अगर पीड़िता को गर्भपात के बाद भी इलाज की जरुरत पड़ी तो उसका खर्च भी सरकार ही उठाएगी। बता दें कि पीड़िता के साथ दुष्कर्म मई था। इस घटना के बाद पीड़िता ने अपनी मां के माध्यम से हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में कोर्ट ने क्या है मेडिकल टर्मिनेशन आफ प्रेग्नेंसी संशोधन अधिनियम शऊझ एक्ट को सुरक्षित गर्भपात के पारित किया गया था। इस एक्ट के तहत एक विवाहित महिला 20 सप्ताह तक गर्भ को समाप्त करने का फैसला ले सकती है, लेकिन इसके लिए डाक्टर की राय लेना आवश्यक होगा। 20 सप्ताह के बाद गर्भ गिराने के लिए महिला को 2 डाक्टरों की राय लेना होगा।

नई नीति पर विचार कर रहा कोयला मंत्रालय, खदानों से निजी क्षेत्र के साथ मिलकर निकाली जाएगी गैस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार तकरीबन तीन दशक से देश की कोयला खदानों से कोल बेड मीथेन (ऍंश) गैस निकालने की सोच रही है। इस बारे में कई बार गंभीर कोशिश भी हुई है, लेकिन इसका कोई खास नतीजा नहीं निकल सका है। अब

जब यूक्रेन-रूस संकट ने देश में गैस व वैकल्पिक ईंधन की जरूरत को नए सिरे से रेखांकित किया है तो केंद्रीय कोयला मंत्रालय सीबीएम खनन को फिर से बढ़ावा देने की नई नीति पर विचार कर रहा है नई नीति में निजी व सरकारी क्षेत्र की कंपनियों को सीबीएम निकालने व इसकी मार्केटिंग करने में वित्तीय प्रोत्साहन देने की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए छह हजार करोड़ रुपये का एक फंड बनाने की तैयारी है। इस फंड का आधा हिस्सा निजी क्षेत्र की कंपनियों को मिलेगा। सीबीएम को लेकर रिलायंस और अदाणी समूह की कंपनियों की भी काफी रुचि है और सरकारी मदद से वह इस सेक्टर में बड़े निवेश करने के लिए आगे आ सकती हैं केंद्रीय कोयला मंत्री प्रल्हाद जोशी ने हाल ही में कहा था कि सरकार की मंशा 2030 तक कोयला खदानों से 10 करोड़ टन गैस निकालने की है। लेकिन अभी तक यह रफ्तार नहीं पकड़ सकी है।घरेलू भंडारों से कुल गैस उत्पादन का लक्ष्य सरकार ने 2023-24 तक 50 अरब घन मीटर का रखा था, इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी सीबीएम का उत्पादन बढ़ाना होगा। 2020 में 15 सीबीएम ब्लाकों को निविदा के जरिये पेश किया गया था और निविदा की शर्तों को भी काफी आसान बनाया गया। इसके बावजूद निजी क्षेत्र की कंपनियों में खास उत्साह नहीं है। यूक्रेन युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्राकृतिक गैस का मूल्य कई गुना बढ़ चुका है और आगे भी इस तरह की अस्थिरता आने की संभावना है। इसको देखते हुए ही सरकार सीबीएम उत्पादन बढ़ाने के लिए कंपनियों को अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है। 33 में से सिर्फ पांच ब्लाक में शुरू हुआ उत्पादनहाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डीजीएच) के मुताबिक, मौजूदा नीति के तहत कुल ब्लाक कंपनियों को गैस निकालने के लिए आवंटित किए गएहैं। लेकिन सिर्फ पांच में ही उत्पादन शुरू हो पाया है। कोल इंडिया को भी अपनी सभी खदानों से सीबीएम निकालने की अनुमति 2018 में दी गई थी। भारत कोयला भंडार के मामले में पांचवें स्थान पर है और यहां 2,600 अरब घन मीटर सीबीएम का भंडार होने की संभावना जताई गई है। मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है जिस गति से देश में गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों (सोलर, विंड आदि) की क्षमता बढ़ रही है, उसे देखते हुए सीबीएम को अभी बढ़ावा नहीं दिया गया तो इनका सही दोहन नहीं हो सकेगा। धीरे-धीरे कोयला खनन को कम करना भी एक प्रमुख वजह है। क्या है कोल बेड मीथेनसीबीएम प्राकृतिक गैस का एक अपरंपरागत रूप है ।

मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सरमा ने थपथपाई सीआईडी की पीठ, दुष्कर्म मामले में मजिस्ट्रेट की गिरफ्तारी को लेकर की तारीफ

(आधुनिक समाचार सेवा)

गुवाहटी।असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के दरांग जिले में 13 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म और हत्या के मामले में अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निवर्हन न करने पर मजिस्ट्रेट की गिरफ्तारी को लेकर सीआइडी की पीठ थपथपाई है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस मामले में सशस्त्र सीमा बल में काम करने वाले मुख्य आरोपी के अलावा तत्कालीन एसपी, थानाध्यक्ष और तीन डाक्टरों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है। असम के मुख्यमंत्री जिनके पास गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी भी है ने कहा कि यह मामला इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि पीडिता के अंतिम संस्कार के बाद इस मामले की दोबारा जांच शुरू हुई थी। पीडिता के शव को कब्र से निकाल कर दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। सही जांच इसलिए संभव हो सकी क्योंकि पीडिता ईसाई थी और उसका शव दफनाया गया था। उन्होंने घटना में पुलिस अधिकारी और मजिस्ट्रेट के शामिल होने पर अफसोस जाहिर किया। सीआइडी के एडिशनल

डीजीपी एआइवी कृष्णा ने कहा कि गिरफ्तार किए गए सरकारी अधिकारियों ने नियमों का पालन नहीं किया और इस मामले में गलत रिपोर्ट दी। बता दें कि इस मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस घटना के बाद लड़की के परिवार ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 12 अगस्त को लड़की के परिवार वालों से मुलाकात भी की थी। इस मुद्दे को लेकर असम सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे है। हालांकि मामले की गंभीरता समझते हुए मुख्यमंत्री हेमंत बिस्व सर्मा ने कुछ दिनों पहले ही बड़ा कदम उठाया था। उन्होंने पुलिस को निर्देश दिए थे कि पिछले एक साल में राज्य में हुई सभी अप्राकृतिक मृत्यु के मामलों की फिर से जांच की जाए।

साइबर अपराधों पर चला जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। सलोरी में उदय एकेडमी के तत्वाधान में स्वदेश सेवा संस्थान द्वारा बच्चों के बीच बढ़ते साइबर अपराधों के मामलों को देखते हुए । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में साइबर विशेषज्ञ मोहम्मद हसन जैदी ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट लखनऊ उत्तर प्रदेश उपस्थित रहे । जैदी साहब ने बच्चो के बीच सोशल

चलाया गया जागरूकता अभियान मीडिया अपराध , बाल अपराध से जुड़े समस्याओं से बच्चों को जागरूक किया तथा साइबर अपराध से जुड़े समस्याओं के निवारण के लिए कई टोल फ्री नंबर व वेबसाईटो को साझा किया । बच्चों द्वारा सर के बीच समस्याओं से जुड़े कई प्रश्न पूछे गए जैसे बैंक मनी फ्रॉड, वेबसाइट फ्रॉड इत्यादि जिसका उत्तर सर ने बच्चों के हित में दिया ।। उदय के डायरेक्टर यू बी सर ने भी बच्चों के बीच साइबर अपराधों के समस्याओं के समाधान से बच्चों को अवगत कराया ।। साथ ही स्वदेश सेवा संस्थान के सदस्य में सचिन सिंह ,देव , आलोक , विकाश,मनमीत , दिव्यांशु , सूर्य प्रताप सिंह व अन्य सदस्य के सहयोग से कार्यक्रम सफल रहा।

टेंपो विक्रम टैक्सी ई-रिक्शा वेलफेयर एसोसिएशन कार्यक्रम आयोजित किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज द्वारा लोगों को यातायात की अध्यक्षता में आज इलाहाबाद सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया बताया गया कि यातायात का पालन

टेंपो विक्रम टैक्सी ई-रिक्शा वेलफेयर एसोसिएशन की की तरफ से आयोजित कार्यक्रम किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हम सब को करना चाहिए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें व चार पहिया वाहन चलाते वक्त सीट बेल्ट जरूर लगाएं आदि के बारे में जागरूक किया गया।

यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पदक विजेता एथलीट खुशबू निषाद नंदा को किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। एशियन चैंपियनशिप में कांस्य पदक हासिल करने वाली स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अक्टूबर माह में आयोजित हुए इंटरनेशनल मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स

एथलीट खुशबू निषाद नंदा का स्वागत कर यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अपने आवास पर फेडरेशन (घ्श्ैंइ) एशियन चैंपियनशिप दुशांबे ताजिकिस्तान में तेलंगाना राज्य से यूपी के प्रयागराज जनपद के करेलाबाग क्षेत्र की रहने वाली एथलीट खुशबू निषाद नन्दा पुत्री नंदलाल निषाद नन्दा ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। मिक्सड मार्शल आर्ट फ्री रेसलिंग के रिंग में एथलीट खुशबू निषाद ने अपनी प्रतिद्वंदी खिलाड़ी से जमकर फाइट की। इस एशियन चैंपियनशिप में एथलीट खुशबू निषाद ने तीसरे पायदान पर रहकर भारत के लिए कांस्य पदक हासिल किया। इस दौरान पूर्व विधायक एडवोकेट रामकमार ने खुशबू निषाद नंदा के लिए लिखा पत्र विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को सौंपा। एथलीट खुशबू निषाद को यूपी सरकार से प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ खिलाड़ियों को दी जाने वाली सुविधाओं के लिए अवगत कराया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने अनुरोध को स्वीकार करते है।

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण का मेगा शिविर आयोजित

सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के 40 स्टॉल भी लगाए गए

(आधुनिक समाचार सेवा)

लखनऊ। 62 दिव्यांगों को ट्राई साइकिल, श्रवण यंत्र, व्हील चेयर का वितरण, तीन धात्री महिलाओं को गोदभराई एवं पांच बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। विभिन्न योजनाओं के तहत 51 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र माननीय मुख्य अतिथि द्वारा दिया गया। 13 नवम्बर 2022 (सूचना विभाग) उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा माननीय जनपद न्यायधीश महोदय श्री संजय शंकर पाण्डेय के नेतृत्व में मेगा विधिक सेवा शिविर एस0आर0 ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन लखनऊ में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय सिंह, सदस्य सचिव, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ की गरिमामयी उपस्थित में कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री संजय सिंह, सदस्य सचिव, उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में श्री अजय विक्रम सिंह अपर जनपद न्यायाधीश द्वारा लाभार्थियों को सम्बोधित करते हुये जनता से सीधा संवाद स्थापित किया तथा लोगों को विभिन्न नियमों की जानकारी दी गयी। श्री भागीरथ वर्मा, ओ0एस0डी0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने सम्बोधित करते हुये कहा कि लोकतंत्र के चारों स्तम्भों यथा न्याय पालिका, विधायिका, कार्य पालिका व पत्रकारिता का समागम आज इस मेगा शिविर में हुआ है ,जिसका उद्देश्य आम जनमानस को लाभ प्रदान करते हुये उनके शैक्षिक सामाजिक व आर्थिक स्तर में वृद्धि करना है। जिला प्रशासन की तरफ से श्री विपिन मिश्रा अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने उक्त कैम्प को लखनऊ में आयोजित करने के लिए मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री पवन सिंह माननीय सदस्य विधान परिषद / प्रबन्धक एस0आर0 ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा मुख्य अतिथि

को उनके इन्स्टीट्यूट में लीगल मेगा शिविर आयोजित करने के लिए धन्यवाद देते हुये अपना उद्बोधन दिया । मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस मेगा कैम्प का उद्देश्य लोगों को विधिक रूप से जागरूक करने के साथ ही साथ उनके जीवन से जुड़ी लाभप्रद योजनाओं से लाभान्वित कराते हुये उनके शैक्षिक स्तर में वृद्धि करना तथा सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में विधिक कैम्प के अतिरिक्त सरकार द्वारा चलायी जा रही लाभप्रद योजनाओं के 40 स्टॉल लगाये गये, जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा अपने विभाग की योजनाओं का लाभ त्वरित रूप से जनता को दिया गया। मुख्य रूप से राज्य एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चिकित्सा, ग्राम्य विकास, पंचायतीराज, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, बाल विकास पुष्टाहार, खादी ग्राम उद्योग, आर0से0टी0 बैंक आफ बड़ौदा, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण एवं शहरी, मुख्यमंत्री आवास, आयुष, यूनानी, आयुर्वेदिक चिकित्सा, शिक्षा विभाग, दिव्यांगजन कल्याण, महिला कल्याण, के स्टॉलों में भारी संख्या में लोगों ने लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं के तहत 51 लाभार्थियों को प्रमाणपत्र माननीय मुख्य अतिथि द्वारा दिया गया। एस0आर0 ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के 11 विद्यार्थियों को जिन्होंने प्रदेश स्तर पर शैक्षिणिक गतिविधियों में स्थान हासिल किया कार्यक्रम में स्मृति चिन्ह भी मुख्य अतिथि द्वारा दिया गया। उक्त मेगा कैम्प में लगभग 11000 व्यक्तियों ने विधिक जागरूकता शिविर में प्रतिभाग कर जानकारी हासिल की गयी। मुख्य अतिथि द्वारा 62 दिव्यांगों ट्राई साइकिल, श्रवण यंत्र, व्हील चेयर का वितरण, तीन धात्री महिलाओं को गोदभराई एवं पांच बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त श्री अनुरोध मिश्रा अपर जिला जज, श्री सुदीप जायसवाल सचिव उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, श्री रवि गुप्ता मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती निहारिका जायसवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, श्री संजय सिंह उप सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उ0प्र0, श्री निश्चल शुक्ला उप सचिव राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण उ0प्र0, जिला विकास अधिकारी श्री अजीत सिंह, उपायुक्त श्रम रोजगार श्री सुखराज बन्धू, सुश्री क्षिप्रा पाल उपजिलाधिकारी बख्शी का तालाब, श्री पीयूष सिंह चौहान, श्री बृजेन्द्र उपाध्याय तहसीलदार सदर, लखनऊ, श्री राजेश विश्वकर्मा तहसीलदार बी0के0टी0, श्री संजीव कुमार गुप्ता खण्ड विकास अधिकारी बख्शी का तालाब, लखनऊ सहित कई अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

ज्योतिष्पीठ की जमीन के लिए वासुदेवानंद और अविमुक्तेश्वरानंद आमने-सामने

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। ज्योतिष्पीठ का विवाद एक बार फिर सतह पर आ गया है। मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। प्रयागराज में पीठ की जमीन व सुविधा पाने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य जगद्गुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती व ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के उत्तराधिकारी स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद आमने-सामने हैं। माघ मेला में शिविर लगाने के लिए दोनों ने प्रशासन से उक्त पीठ की जमीन व सुविधा मांगी है। संगम तट पर जनवरी-2023 में माघ मेला के लिए तंबुओं की नगरी बसाने का काम शुरू हो गया है। अभी तक शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती को ज्योतिष्पीठ व द्वारिका पीठ की जमीन-सुविधा मिलती थी। स्वरूपानंद 11 सितंबर, 2022 को ब्रह्मलीन हो गए। इसके बाद उनकी व्यवस्था से जुड़े लोगों ने द्वारिका पीठ पर स्वामी सदानंद सरस्वती व ज्योतिष्पीठ पीठाधीश्वर के रूप में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अभिषेक कराया, परंतु सुप्रीम कोर्ट ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक पर रोक लगा दिया है। इधर, स्वरूपानंद के पक्ष ने दोनों पीठ के लिए जमीन व सुविधा मांगी है। मेला प्रशासन को पत्र देने वाले मनकामेश्वर मंदिर के महंत श्रीधरानंद ब्रह्मचारी कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हमें द्वारिका व ज्योतिष्पीठ की जमीन-सुविधा मिलती रही है। गुरु जी (स्वामी स्वरूपानंद) के ब्रह्मलीन होने के बाद निर्विवाद रूप से स्वामी सदानंद द्वारिका पीठ के पीठाधीश्वर बने हैं।

जूनियर इंजीनियर की परीक्षा देने जा रहे दो सगे भाइयों की ट्रक ने ली जान, बाइक समेत आए चपेट में

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ जनपद के कोहरौड़ इलाके में स्टेशन रोड पर बेकाबू ट्रक ने दो सगे भाइयों 26 वर्षीय राकेश सोनी और 24 वर्षीय

राजेश पुत्र हजारीलाल सोनी को कुचल दिया। इनमें एक भाई को जूनियर इंजीनियर परीक्षा में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाने की खातिर रेलवे स्टेशन जाकर सरयू एक्सप्रेस में बैठना था, दूसरा भाई उसे बाइक पर छोड़ने जा रहा था लेकिन रास्ते में अनहोनी हो गई। ट्रक के नीचे आने से दोनों की मौत हो गई। वे दोनों कोहरौड़ कस्बे में करिस्ता गांव के रहने वाले थे। सोमवार सुबह छह बजे दोनों भाई सरयू एक्सप्रेस में बैठने के लिए रेलवे स्टेशन जा रहे थे तभी प्रयागराज-अयोध्या मार्ग पर नई बाजार रेलवे स्टेशन मोड़ पर दुर्घटना का शिकार हो गए।खबर मिली तो परिवार के लोग वहां पहुंचे और शव देखकर बदहवास हो गए। दो बेटों की मौत से परिवार में हाहाकार मच गया। एक्सीडेंट के बाद भागा ट्रक एक पूर्व विधायक की ट्रांसपोर्ट कंपनी का बताया गया है। पुलिस का कहना है कि ट्रक और ड्राइवर को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों भाइयों को टक्कर मारने के बाद ड्राइवर ट्रक लेकर वहां से भाग गया। उधर से गुजर रहे लोगों ने दो युवकों को सड़क पर पड़े देखा तो कुछ देर में पहचान होने पर उनके स्वजनों को सूचना दी गई। स्वजन भागकर मौके पर पहुंचे। दोनों युवकों की मौत से परिवार के लोग बदहवास हो गए। इस बारे में सूचना मिलने पर कोहड़ौर पुलिस भी मौके पर पहुंची। आक्रोशित घरवाले ट्रक पकड़ने की मांग को लेकर शव को उठाने नहीं दे रहे हैं।

प्रयागराज माघ मेला की तैयारी पिछड़ने का खतरा, ठेकेदारों का कार्य बहिष्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। पिछले वर्ष किए गए माघ मेला के कार्यों का भुगतान न होने

से इस बार ठेकेदारों ने कार्य बहिष्कार कर दिया है। मेला के कार्यों का बहिष्कार करने से माघ मेला की तैयारी प्रभावित हो रही है। लोक निर्माण विभाग की ओर से दो बार टेंडर निकाला जा चुका है लेकिन ठेकेदारों के बहिष्कार की वजह से जारी नहीं हो पा रहा है। अब तीसरी बार टेंडर निकालने की प्रक्रिया शुरू की गई है। माघ मेला के लिए इस बार पांच पीपा पुल और 120 किलोमीटर चकर्ड प्लेट बिछाने का काम होना है। अभी तक टेंडर प्रक्रिया शुरु ना होने से काम बिछड़ने की आशंका बढ़ गई है। माघ मेला क्षेत्र में इस बार पांच पीपा का पुल तैयार होना है लेकिन इनमें से एक ही पुल का टेंडर हो पाया है। अन्य 4 पुल का टेंडर कब निकलेगा और कब कार्य शुरू होगा इस पर असमंजस बना है। ठेकेदार संघ के अध्यक्ष सुदामा सिंह ने बताया कि काम कराने के बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भुगतान करने में आनाकानी करते हैं जिस कारण इस बार ठेकेदारों ने काम करने से इनकार कर दिया है। पिछला भुगतान जब तक नहीं होगा, तब तक ठेकेदार टेंडर में हिस्सा नहीं लेंगे माघ मेला क्षेत्र में बड़े क्षेत्रफल में दलदली जमीन है। ऐसे में चकर्ड प्लेट, पीपा का पुल व पानी का पाइप लाइन बिछाना संबंधित विभागों के लिए टेढ़ी खीर साबित होगा। गंगा का जलस्तर संगम क्षेत्र में अक्टूबर तक बढ़ा रहा जिस कारण बड़े भूभाग में यह स्थिति बनी हुई है हालांकि मेला प्रशासन की ओर से दलदल को दुरुस्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ठेकेदार टेंडर नहीं डाल रहे हैं,ऐसे में मेला का काम प्रभावित हो रहा है। तीसरी बार टेंडर निकालने की तैयारी हो रही है।

प्रधानाचार्य भर्ती के बाकी 17 मंडलों का रिजल्ट देर रात घोषित

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने वर्ष 2013 की प्रधानाचार्य भर्ती के कानपुर मंडल का परिणाम घोषित करने के एक दिन बाद शेष 17 मंडलों का भी परिणाम देर रात घोषित कर दिया। परिणाम चयन बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इस तरह अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के 632 पदों के लिए कराई गई भर्ती प्रक्रिया पूरी हो गई। इसमें कुछ विद्यालयों के लिए घोषित परिणाम हाई कोर्ट में दाखिल याचिका के अधीन रहेगा। चयन बोर्ड ने प्रदेश के 18 मंडलों के अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के रिक्त 632 पदों के लिए दिसंबर 2013 में भर्ती विज्ञापन जारी किया था। बाद में छह फरवरी 2014 को इसका

संशोधित विज्ञापन जारी किया गया। अभ्यर्थियों ने ऑफलाइन आवेदन किए। चयन बोर्ड ने आवेदन देने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं की। अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार करते रहे, लेकिन करीब साल प्रक्रिया ठप रहने पर अभ्यर्थी मनीष कुमार त्रिपाठी ने भर्ती जल्दी पूरी करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। याचिका पर सुनवाई शुरू हुई तो चयन बोर्ड में हलफनामा दाखिल कर भर्ती प्रक्रिया जल्द पूरी करने का आश्वासन दिया। इसके बाद अभ्यर्थियों के आवेदन ऑनलाइन किए गए। चूंकि यह भर्ती प्रक्रिया काफी पुरानी हो गई थी इसलिए हाई कोर्ट के निर्देश पर साक्षात्कार के पहले उन अभ्यर्थियों के आवेदन अलग कर दिए गए, जो सेवानिवृत्त हो चुके थे।

वाराणसी में सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत, उम्र की बाध्यता नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। आर्कियोलॉजिकल एंड साइंटिफिक स्टडी ऑफ राम सेतु नामक इस सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि एक सप्ताह होगी। कोर्स में उम्र की कोई बाध्यता नहीं हैं। किसी भी उम्र के लोग इस कोर्स का अंग

बन सकते हैं।अगर आपको रामसेतु पर पुरातात्विक एवं वैज्ञानिक अध्ययन करना है तो इसके लिए एक सप्ताह के सर्टिफिकेट कोर्स की शुरुआत हुई है। स्कूल ऑफ राम ने आर्कियोलॉजिकल एंड साइंटिफिक स्टडी कोर्स तैयार किया है। शहर दक्षिणी के विधायक ने इस कोर्स का शुभारंभ किया। रामसेतु के पुरातात्विक,खगोलीय,वैज्ञानिक,आध्यात्मिक एवं सरकारी साक्ष्यों को एकत्रित कर कोर्स को तैयार किया गया है। विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी ने कहा कि रामायण आज के युग की आवश्यकता है। हमारे जीवन में जितनी भी समस्याएं हैं उनका एकमेव समाधान राम चरित्र का अनुकरण ही है। विश्वभर की प्राचीन रामायणों,रामकथा से सम्बधित वांड्मय में इस राम सेतु के निर्माण का वर्णन है। स्कूल ऑफ राम के संस्थापक और बीएचयू के छात्र प्रिंस तिवाड़ी ने बताया कि हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि रामसेतू के बारे में हम अपनी आने वाली नई पीढ़ी को भी बताएं तथा उसका संरक्षण करें। इसी उद्देश्य के साथ कोर्स को तैयार किया गया है। प्रिंस तिवाड़ी ने बताया कि आर्कियोलॉजिकल एंड साइंटिफिक स्टडी ऑफ राम सेतु नामक इस सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि एक सप्ताह होगी। कोर्स में उम्र की कोई बाध्यता नहीं हैं। किसी भी उम्र के लोग इस कोर्स का अंग बन सकते हैं। कोर्स में यह है शामिल सेतु समुद्रम योजना का इतिहास रामायण के जीवंत पुरातत्व (भारत,नेपाल,श्री लंका) दाक्षिणात्य रामकाव्य और रामसेतु असमिया राम साहित्य में सेतु बंधन - रामसेतु - सत्य और तथ्य -साहित्य एवं पौराणिक आख्यानों में श्रीराम सेतु - रामसेतु - एक वैज्ञानिक विश्लेष्ण - स्कन्द पुराण,श्रीमद्भागवत,वाल्मीकि रामायण एवं रामचरितमानस में रामसेतु ।

खाद के लिए चिल्लाते रहे किसान गोदाम बंद कर सचिव फरार

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। सिद्धार्थनगर जिले में गेहूं की बुआई में खाद के लिए किसान मारे-मारे फिर रहे हैं,

लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों का कहना है कि अगर समय से खाद नहीं मिली तो खेती किसानी का कार्य प्रभावित होगा। इसका सीधा असर पैदावार पर पड़ेगा। शनिवार को सहकारी समिति ककरहवा पर खाद मिलने की सूचना पर काफी संख्या में महिला एवं पुरुष किसान खाद लेने पहुंचे। किसानों का आरोप है कि सचिव ने चहेतों को खाद देकर गोदाम में ताला बंद कर दिया और सचिव वहां से भाग गए। कालीमुन्निशा, रीता, गोकुल, निर्मला, विष्णु, मसूद आलम, हाथा बाबा, प्रभुदयाल, विक्रम, श्रीपति, अर्जुन, राम अवतार, सुरेश किसानों का आरोप है कि सचिव तीन दिन से हम लोगों को खाद के लिए दौड़ा रहे हैं। हम लोगों का आधार कार्ड भी अपने पास रखे हैं, लेकिन हम लोगों को खाद न देकर रात में अपने चहेतों को गोदाम से खाद देते हैं। नाराज किसानों ने समिति का घेराव किया। किसानों का कहना था कि जब तक प्रशासन हम लोगों को खाद नहीं दिला देता, यहां से नहीं जाएंगे। सूचना पर पहुंची ककरहवा चौकी के पुलिस कर्मियों ने किसानों को मनाया। सहायक विकास अधिकारी सहकारिता अंबरीश यादव ने कहा कि समिति पर खाद रहते हुए सचिव किसानों को खाद नहीं दे रहे हैं तो गलत है। इसकी जांच कराई जाएगी।

क्लास में भरा जल निगम का पानी, खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर सरकारी स्कूल के बच्चे

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। वाराणसी के सरकारी स्कूल में जल निगम की पाइप लाइन में लीकेज की वजह से कक्षा में पानी भर गया। बच्चों को खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करनी पड़ी। प्राथमिक विद्यालय कंदवा की

प्रधानाध्यापक प्रज्ञा पाठक ने बताया कि जल निगम की पाइपलाइन में लंबे समय से लीकेज है, कई बार जल निगम से शिकायत की गई, लेकिन विभाग ने इसे ठीक नहीं कराया। वाराणसी में कंदवा के प्राथमिक विद्यालय में जल निगम की लापरवाही के कारण बच्चों को दिक्कत हो रही है। शनिवार को स्कूल में जल निगम की पाइप लाइन में लीकेज की वजह से कक्षा में पानी भर गया। बच्चों को खुले आसमान के नीचे पढ़ाई करनी पड़ी। प्राथमिक विद्यालय कंदवा की प्रधानाध्यापक प्रज्ञा पाठक ने बताया कि जल निगम की पाइपलाइन में लंबे समय से लीकेज है, कई बार जल निगम से शिकायत की गई, लेकिन विभाग ने इसे ठीक नहीं कराया। विद्यालय के कार्यालय में भी पानी घुस गया है। इसके अलावा मैदान भी पानी में डूबा हुआ है। विद्यालय में पांच कक्षाएं हैं। शनिवार को कक्षा चार में उस समय पानी घुस गया, जब बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। कक्षा में पानी घुसने के बाद शिक्षकों ने बच्चों को जमीन पर चटाई बिछाकर पढ़ाई कराई। प्रधानाध्यापक ने बताया कि जल निगम के अधिकारियों से फोन पर वार्ता की गई है। वहीं, बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी सूचना दी गई है।

वाराणसी आएगी भारत गौरव काशी यात्रा ट्रेन

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। सारनाथ में ठहरेंगे सभी तीर्थयात्री भारत गौरव काशी यात्रा ट्रेन अपराह्न साढ़े तीन बजे वाराणसी (कैंट) रेलवे स्टेशन पर

पहुंचेगी। यहां से दस मिनट बाद ट्रेन बनारस स्टेशन के लिए रवाना होगी। जहां यात्रियों को सारनाथ के लिए ले जाया जाएगा। बेंगलुरु से काशी यात्रा पर आ रही भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 13 नवंबर को आएगी। इस ट्रेन में सवार कर्नाटक के करीब छह सौ तीर्थयात्रियों को सारनाथ स्थित होटल में ठहराया जाएगा, जिसकी शनिवार को पूरे दिन तैयारी चलती रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 नवंबर की सुबह ग्यारह बजकर सात मिनट पर इस ट्रेन को रवाना किया था। जहां से सीधे यह ट्रेन काशी आ रही है, जो 13 नवंबर की अपराह्न साढ़े तीन बजे वाराणसी (कैंट) रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। यहां से दस मिनट बाद ट्रेन बनारस स्टेशन के लिए रवाना होगी। जहां यात्रियों को सारनाथ के लिए ले जाया जाएगा। लेकिन, ट्रेन देर से आई तो यात्रियों को वाराणसी रेलवे स्टेशन पर ही उतारा जाएगा और यहीं से सभी तीर्थयात्रियों को सारनाथ स्थित होटल में ठहराने के लिए ले जाया जाएगा। सभी तीर्थयात्री 14 नवंबर को तुलसी मानस मंदिर, संकट मोचन मंदिर, काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने जाएंगे। इसके बाद शाम को गंगा आरती में शामिल होंगे, फिर सारनाथ में बुक कराए गए होटल में ठहरेंगे। अगले दिन 15 नवंबर की सुबह साढ़े पांच बजे बनारस स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन से अयोध्या के लिए रवाना होंगे, जहां से दर्शन-पूजन के बाद प्रयागराज होते हुए बेंगलुरु के लिए जाएंगे।

17 दिन का कठिन संकल्प करेंगे भक्त धान की बालियों से सजा माता का दरबार

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। मां अन्नपूर्णा का सत्रह दिवसीय महाव्रत आज से शुरू हो गया है। व्रत के प्रथम दिन प्रातः मंदिर के महंत शंकर पुरी ने 17

गांठ के धागे व्रतियों को प्रदान किए। सुबह से माता के मंदिर में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है। मां अन्नपूर्णा का सत्रह दिवसीय महाव्रत रविवार से प्रारम्भ हो गया। श्रद्धालुओं ने 17 वर्ष 17 महीने 17 दिन के व्रत का संकल्प लिया। परंपरा के अनुसार

व्रत के प्रथम दिन प्रातः मंदिर के महंत शंकर पुरी ने 17 गांठ के धागे व्रतियों को प्रदान किए। सुबह से माता के मंदिर में दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी है। बांसफाटक से गोदौलिया तक श्रद्धालु सुबह से ही कतार बद्ध होकर मां अन्नपूर्णा का दर्शन पूजन कर रहे हैं। माता अन्नपूर्णा के भक्त 17 गांठ वाला धागा धारण कर महाव्रत की शुरुआत करते हैं। महिलाएं बाएं व पुरुष दाहिने हाथ में इसे धारण करते हैं। 17 दिनों तक अन्न का सेवन वर्जित होता है। केवल एक वक्त बिना नमक का फलाहार किया जाता है। अन्नपूर्णा मंदिर के महंत शंकर पुरी ने बताया कि अनुष्ठान का उद्यापन 29 नवम्बर मंगलवार को होगा। उस दिन धान की बालियों से मां अन्नपूर्णा के गर्भगृह समेत मंदिर परिसर को सजाया जाएगा। प्रसाद स्वरूप धान के बाली भक्तों में वितरित होगी। पूर्वांचल के किसान अपनी फसल की पहली धान की बाली मां को अर्पित करते हैं। प्रसाद स्वरूप मिलने वाली बाली को धान की दूसरी फसल में मिलाते हैं।

वाराणसी में अचानक बदला मौसम का मिजाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। घूमने का है प्लान तो पहले पढ़ लें ये खबरमौसम विभाग के अनुसार वाराणसी में सीजन का

न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। वाराणसी में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के करीब पहुंच गया है। ऐसे में ठंड इशारा कर रही है कि गर्म कपड़े निकाल लेने चाहिए। यूपी में अब ठंड की लहर चलने लगी है। पूर्वांचल समेत वाराणसी में अब ठंड बढ़ गई है। सुबह-शाम तो मानों कपकपी भी लगने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार वाराणसी में सीजन का न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। वाराणसी में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के करीब पहुंच गया है। ऐसे में ठंड इशारा कर रही है कि गर्म कपड़े निकाल लेने चाहिए। काशी में रविवार की सुबह ठंड का असर महसूस हुआ। आसमान साफ होने के बावजूद ठंड का असर व्यापक तौर पर नजर आया।

पुलिस की वर्दी में कानपुर से कार चुरा कर भागा बदमाश

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। बस्ती जिला में हुआ गिरफ्तार सीओ ने बताया कि चोर कार नंबर प्लेट बदल-बदल कर गाड़ी को लेकर आगे बढ़ रहे थे। पहले गाड़ी पर यूपी32 एमके 7797 नंबर लगाया और बाद इसे बदलकर यूपी 32 एचके 7737 कर दिया था। यह चोरी की गाड़ियों को नेपाल में बेचते थे। कानपुर से कार चोरी कर भागे पुलिस की वर्दी पहने चोर को जिले की पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। नौ नवंबर की सुबह कानपुर से चोरी हुई कार शनिवार को फोरलेन के रास्ते अयोध्या से गोरखपुर की तरफ तेजी से निकलने की सूचना पर अलर्ट हुई बस्ती पुलिस ने हाइवे पर जगह-जगह बैरिकेडिंग करा दी। चौकड़ी टोल प्लाजा छावनी पर लगे बैरियर को तोड़ते हुए चोर लाल रंग की कार को लेकर रामजानकी मार्ग की तरफ मुड़ गए। पीछा करने में जुटी छावनी व हर्रैया पुलिस ने रामजानकी मार्ग पर बेलाडे शुक्ल गांव के पास गाड़ी खड़ी कर भाग रहे दोनों आरोपितों को पकड़ लिया और गाड़ी को कब्जे में ले लिया। वाहन समेत दोनों आरोपियों को पुलिस हर्रैया थाने ले आई। पुलिस के अनुसार, दोनों की पहचान परवेज अहमद निवासी बघौड़ा थाना उरई जनपद जालौन और रिसायत अली निवासी सूर्यनगर कॉलोनी उरई जालौन के रूप में की गई। इनमें परवेज अहमद 1995 बैच का सिपाही है, जिसे चार साल पहले बर्खास्त किया जा चुका है। बताया जा रहा है कि झांसी में तैनाती के दौरान उस पर चोरी का आरोप लगा था।

रोजाना क्षमता से अधिक उत्पादन कर रहा खाद कारखाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
गोरखपुर। पीएम मोदी ने किया था उद्घाटनएक साल के भीतर ही गोरखपुर खाद कारखाना न केवल पूरी क्षमता के साथ दौड़ने लगा बल्कि क्षमता से अधिक उत्पादन करने लगा है। पिछले एक सप्ताह से

कारखाने में रोजाना चार हजार मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन हो रहा है जबकि कारखाने की उत्पादन क्षमता 3850 मीट्रिक टन है। फरवरी से अब तक कारखाने से चार लाख मीट्रिक टन यूरिया, पूर्वांचल समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में भेजी जा चुकी है यही नहीं, कारखाने की मशीनें लगाने वाली जापानी कंपनी टोयो ने अब इसे हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) को हैंडओवर कर दिया है। यानी अब मशीनों के संचालन एवं रख-रखाव की भी पूरी जिम्मेदारी एचयूआरएल की हो गई है। करीब तीन दशक बाद दोबारा शुरू हुए इस कारखाने ने मई 2022 में रोजाना तीन हजार मीट्रिक टन से अधिक का उत्पादन शुरू कर दिया था। 20 जुलाई तक कारखाने से 3619 मीट्रिक टन का उत्पादन शुरू हो गया था। अब यूरिया का उत्पादन हो रहा था। एचयूआरएल की ओर से स्थापित खाद कारखाने से बनने वाला यूरिया गोरखपुर समेत पूरे पूर्वांचल और पश्चिम यूपी व बिहार तक भेजा जा रहा है। गोरखपुर खाद कारखाने के प्रिलिंग टॉवर की ऊंचाई दुनिया के खाद कारखानों में सबसे अधिक (149.5 मीटर) होने की वजह से यहां बनने वाली यूरिया खास है। यूरिया के दाने काफी छोटे होते हैं, जो खेतों में जल्द घुल जाते हैं। गोरखपुर खाद कारखाना के वरिष्ठ महाप्रबंधक सुबोध दीक्षित ने कहा कि खाद कारखाने से तय क्षमता से अधिक उत्पादन हो रहा है। रोजाना 104-105 फीसदी यानी चार हजार मीट्रिक टन खाद का उत्पादन हो रहा है। अब तक चार लाख मीट्रिक टन यूरिया पूर्वांचल समेत विभिन्न क्षेत्रों में भेजी जा चुकी है।

100% Placement
सीधे प्रवेश
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainitti.com
Mail us at – info@nainitti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

मीरजापुर के पूर्व सभासद से 15 लाख रंगदारी मांगने के मामले में ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्र दोषमुक्त

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । एमपी-एमएलए कोर्ट के मजिस्ट्रेट आनंद उपाध्याय ने ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा के ऊपर चल रहे रंगदारी के मुकदमे में साक्ष्य न मिलने पर

शुक्रवार को दोषमुक्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपित के विरुद्ध संबंधित अधिवक्ता कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके इसलिए इनको आरोप से बरी किया जाता है। विंध्याचल क्षेत्र के पूर्व सभासद अवनीश मिश्रा ने 27 अगस्त 2020 को विंध्याचल थाने में तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि भदोही जिले में ज्ञानपुर के पूर्व विधायक विजय मिश्रा सहित दो लोग उनके घर आए और उसने 15 लाख रुपये की रंगदारी मांगी। रंगदारी के रुपये नहीं देने पर उनको जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पूर्व विधायक विजय मिश्रा निवासी गोपीगंज सहित दो लोगों के विरुद्ध रंगदारी सहित अन्य आरोप में मामला दर्ज कर आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया।पूर्व विधायक विजय मिश्रा के अधिवक्ता एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि पूर्व विधायक का मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहा था। कई पेशी होने के दौरान गवाहों के बयान दर्ज कराया गया। 31 अक्टूबर को मामले की सुनवाई पूरी हुई है। कोर्ट ने फैसले सुनाने के लिए 11 नवंबर की तिथि तय की। शुक्रवार को आगरा पुलिस उनको कड़ी सुरक्षा के बीच मीरजापुर लेकर पहुंची। पुलिस अतिरिक्त सुरक्षा बल के साथ उनको लेकर कचहरी पहुंची। इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे जिससे किसी प्रकार की दिक्कत न हो। पूर्व विधायक पर लगे आरोप को शिकायत कर्ता के अधिवक्ता साबित नहीं कर पाए। इसको देखते हुए न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में उनको दोषमुक्त कर दिया।ज्ञानपुर के पूर्व विधायक पर मीरजापुर में चल रहे मुकदमे में बरी होने के बाद अब मीरजापुर न्यायालय में उनका कोई मुकदमा नहीं रह गया है। हालांकि उनके खिलाफ अभी दुष्कर्म व आर्म्स एक्ट के तहत कुछ मुकदमे चल रहे हैं जिसका मामला भदोही के कोर्ट में चल रहा है।

पिटाई के विरोध में छात्रों ने दक्षिणी परिसर में दिया धरना

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । शैक्षणिक कार्य से वाराणसी मेन कैंपस गए बीकॉम के विद्यार्थियों की पिटाई किए जाने के विरोध में शनिवार को बरकछा स्थित राजीव गांधी दक्षिणी परिसर के छात्रों ने प्रशासनिक भवन के बाहर प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शनकारी बीकॉम के छात्रों ने पिटाई करने वाले

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में शामिल बीकॉम के छात्रों का कहना था कि शैक्षणिक कार्य और फीस जमा करने के लिए इन दिनों मेन कैंपस वाराणसी जाना पड़ रहा है। तीन दिन पहले मेन कैंपस में सेंट्रल लाइब्रेरी के पास वहां के छात्रों ने बीकॉम के एक छात्र की पिटाई की थी। इसके अलावा शुक्रवार को तीन छात्रों की लंका क्षेत्र स्थित बीएचयू गेट के पास पिटाई की गई। बीकॉम तृतीय वर्ष के तीन छात्र उमंग, शिवम और ओम लंका पर थे। आरोप लगाया कि उमंग को चाकू सटाकर कहीं और ले जाकर पिटाई की गई। इसकी शिकायत वहां प्राक्टोरियल बोर्ड में की गई। साथ ही पुलिस को भी सूचना दी गई। इस बीच शनिवार को सुबह बीकॉम के छात्र आचार्य प्रभारी से मिलने दक्षिणी परिसर के प्रशासनिक भवन में पहुंचे। जहां प्राचार्य के नहीं मिलने पर छात्र धरने पर बैठ गए। सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू हुआ धरना शाम करीब साढ़े चार बजे पुलिस के आश्वासन पर समाप्त हुआ। बरकछा चौकी प्रभारी ने आचार्य प्रभारी से मोबाइल फोन पर छात्रों से बात कराई। मारपीट करने वाले छात्रों पर कार्रवाई के आश्वासन पर धरना समाप्त हुआ। प्रदर्शन करने वालों में सागर, लोकेश, रोहित, अभिषेक, राज आदि शामिल रहे। देहात कोतवाल विपिन सिंह ने बताया कि मारपीट के मामले में बीकॉम के छात्र प्रदर्शन कर रहे थे। आचार्य प्रभारी के आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त हो गया।

मकर संक्रांति 2023 तक बनकर तैयार होगा आस्था का गलियारा परिक्रमा पथ बनकर तैयार

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । अद्भुत, अलौकिक व अविस्मरणीय आस्था का गलियारा। नए वर्ष से विंध्य कारिडोर का परिक्रमा पथ मां विंध्यवासिनी की महिमा का अहसास कराएगा। दरअसल, निर्माणाधीन विंध्य कारिडोर की कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम का दावा है कि मकर संक्रांति तक परिक्रमा

पथ बनकर तैयार हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर को कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम सपनों सरीखा बनाने में जुटा है। विंध्य कारिडोर के निर्माण प्रगति को लेकर प्रशासन भी सक्रिय है। मंडलायुक्त, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक का लगातार निरीक्षण का दौर जारी है।मुख्यमंत्री खुद विंध्य कारिडोर के निर्माण कार्य की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं। समय-समय पर मां विंध्यवासिनी का दर्शन करने के बहाने विंध्य कारिडोर निर्माण की गतिविधि भी परखने विंध्याचल धाम चले आते हैं। यही नहीं, जिला प्रशासन से समय-समय पर निर्माण प्रगति की समीक्षा कर रिपोर्ट मांगा है। मुख्यमंत्री योगी का सख्त निर्देश है कि हर हाल में मार्च 2023 तक भव्य-दिव्य और शीघ्रता पूर्ण विंध्य कारिडोर का निर्माण कार्य पूरा किया जाए। समय और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। ऐसे में निर्माण कार्य गति पकड़ ली है। करीब 250 मजदूर लगातार तीन शिफ्ट में निर्माण कार्य में लगे हैं। विंध्य कारिडोर निर्माण के लिए नामित राजकीय निर्माण निगम के सहायक अभियंता राजकुमार पांडेय ने बताया कि मकर संक्रांति तक परिक्रमा पथ बनकर तैयार हो जाएगा। इसके साथ ही पुरानी वीआइपी, न्यू वीआइपी, कोतवाली गली व पक्का घाट गली भी तैयार होगा। पत्थर लगने का काम चल रहा है। कुछ जगह जमीन की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में जमीन मिलते ही उस पर भी काम शुरू हो जाएगा। हालांकि निर्माण कार्य प्रगति पर है।मुख्यमंत्री ने विंध्य कारिडोर निर्माण में प्रयुक्त होने वाले पत्थर तराशने के लिए विंध्याचल में ही वर्कशाप लगाने का सुझाव दिया था, लेकिन यह संभव नहीं हो सका। बहरहाल, अहरौरा के गुलाबी पत्थर को राजस्थान भेज तराशकर मंगाया जा रहा है। गुलाबी पत्थर से विंध्य कारिडोर स्वर्णिम आभा बिखेरेगी ही, आकर्षक नक्काशी देख लोग मंत्रमुग्ध हो उठेंगे। विंध्य कारिडोर का निर्माण पूरा होने के बाद विंध्य क्षेत्र अतिसुंदर नजर आएगा, जो देश-विदेश के लोगों को आकर्षक व आनंद की अनुभूति कराएगा। विश्व पटल पर पहचान रखने वाला विंध्य क्षेत्र और चमकेगा। सीएम योगी की इच्छा के अनुरूप माडल व गौरव पथ के रूप में विंध्य कारिडोर विकसित होगा। कारिडोर निर्माण होने से विंध्यधाम वैश्विक मंच पर नए कलेवर में जगमगाएगा। विंध्याचल मंदिर पहुंचने के लिए कुल सात मार्ग, थाना कोतवाली, न्यू वीआइपी, पुरानी वीआइपी, पक्का घाट, जयपुरिया गली, पाठक जी की गली, भट्ट जी की गली हैं। इनमें से चार प्रमुख मार्ग हैं, थाना कोतवाली, न्यू वीआइपी, पुरानी वीआइपी, पक्का घाट गली। इन चारों मार्ग पर द्वार बनेगा। यात्री सुविधा भी होगी। साथ ही विंध्य कारिडोर से लगायत सभी भवन पर नक्काशीदार आकर्षक गुलाबी पत्थर लगाए जाएंगे, जो विंध्य कारिडोर की सुंदरता को चार चांद लगाएंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि छह माह के अंदर विंध्य कारिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। ऐसे में निर्माण कार्य प्रगति पर है। अब तक 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और करीब 25 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। परिक्रमा पथ पर 130 पिलर बनान है। 110 पिलर बनकर तैयार है। परिक्रमा पथ का भव्य-दिव्य स्वरूप जल्द ही सामने होगा।

ननिहाल घूमने आए बालक की खेलते समय पहाड़ी से गिरकर मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । अहरौरा क्षेत्र के जंगल महाल कंचनपुर गांव स्थित ननिहाल में घूमने आया बालक शनिवार की शाम पहाड़ी पर खेलते समय पैर फिसल कर नीचे खाई

में गिर गया। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथियों ने हादसे की सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजन घायल बालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां उसकी मौत हो गई। मड़िहान थाना क्षेत्र के धनारी गांव निवासी अंकित कुमार (10)पुत्र अमित कुमार शनिवार को दोपहर में जंगल महाल के कंचनपुर में अपने माता-पिता के साथ ननिहाल आया हुआ था। शनिवार की शाम करीब चार बजे घर से कुछ दूरी पर स्थित भवरावा पहाड़ी पर कुछ बच्चों के साथ खेलने पहुंच गया। जहां खेलते समय अचानक फिसल कर गहरी खाई में गिर गया। साथियों ने घटना की सूचना तत्काल परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायल अंकित को सीएचसी पहुंचाया। घटना की सूचना पुलिस को दी। इस बीच अस्पताल में इलाज के पहले ही अंकित की मौत हो गई। पुलिस ने बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अंकित के पिता अमित कुमार ने बताया कि पत्नी को साथ लेकर ननिहाल बड़े बेटे के साथ आए थे।

मीरजापुर में विवादित भूमि में कूड़ा फेंकने को लेकर दो पक्षों में मारपीट व फायरिंग, एक की मौत और 20 घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । देहात कोतवाली के अघौली गांव में विवादित भूमि में कूड़ा फेंकने को लेकर गुरुवार की सुबह दो पक्षों के बीच मारपीट व फायरिंग हो गई। इसमें एक व्यक्ति

की मौत हो गई जबकि दोनों पक्ष से गोली लगने से मारपीट में लगभग 20 से अधिक लोग घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मंडलीय चिकित्सालय पहुंचाया। इसमें प्राथमिक उपचार के बाद गोली व मारपीट में घायल पांच लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बीएचयू के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर एक पक्ष के नौ लोगों के विरुद्ध हत्या व दूसरे पक्ष के विरुद्ध जानलेवा हमला समेत अन्य आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। अघौली गांव निवासी ओंकारनाथ पांडेय व दूसरे पक्ष के जगदीश पांडेय के बीच काफी दिनों से तीन बीघे खेत को लेकर विवाद चल रहा था। मामला कोर्ट में भी चला। बुधवार की शाम विवादित भूमि में दूसरे पक्ष की एक महिला ने कूड़ा फेंक दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। हाथापाई होने के बाद मामला शांत हो गया और दोनों पक्ष अपने-अपने घर चले गए। गुरुवार की सुबह इसी बात को लेकर फिर नोकझोंक हुई तो ओमकार पांडेय का आरोप है कि जगदीश पांडेय के परिवार के लोग लाठी-डंडा व धारदार हथियार लेकर उनके घर चढ़कर हमला बोल दिए। बीच-बचाव में आए उनके 50 वर्षीय पुत्र धमेंद्र पांडेय को लाठी व धारदार हथियार से हमला कर मौत के घाट उतार दिया।फायरिंग भी शुरू कर दी। यह देख जब वह अपनी लाइसेंसी राइफल लेकर दौड़े तो उसे छीनकर वे लोग फायरिंग करने लगे। वहीं दूसरे पक्ष से कमलेश का आरोप है कि विवादित भूमि को लेकर ओमकार के स्वजन लाठी व लाइसेंसी राइफल लेकर उनके घर पर चढ़ आए और मारपीट करते हुए फायरिंग शुरू कर दी। बीच-बचाव करने में दोनों पक्षों को चोटें आ गई। इसमें एक पक्ष से धमेंद्र पांडेय पुत्र ओमकार पांडेय की मौत हो गई जबकि उनके पिता 70 वर्षीय ओमकार पांडेय, विनोद पुत्र रमेश, रमेश पुत्र लल्लू, निरंकार पुत्र ओमकार, अनूप पुत्र निरंकार, बल्ली व गोलू पुत्रगण धमेंद्र पांडेय, किशन पुत्र अवधेश, अवधेश पुत्र लल्लू, शशि, मालतीन पत्नी निरंकार इंदू पत्नी धमेंद्र, तथा दूसरे पक्ष से जगदीश पुत्र रामेश्वर, रामू पुत्र उमानाथ, श्यामू पुत्र उमानाथ, बृजेश पुत्र रामेश्वर, अभय, वैभव पुत्रगण साहेब उर्फ कमलेश, तोषू पुत्र रामू, कमलेश पुत्र उमाशंकर लकी पुत्र अज्ञात व कुछ महिलाएं घायल हो गई। इसमें कमलेश, उनके पुत्र अभय व भतीजे अभिषेक गोली लगने से घायल हुए हैं। जानकारी होने होने पर एसपी संतोष मिश्रा ने घटना स्थल की जांच की।अघौली गांव निवासी कमलेश पांडेय सहित तीन लोगों को पिस्टल की गोली लगी है। बताया गया कि कई राउंड फायरिंग की गई। इसमें एक गोली कमलेश के जबड़े पर लगी तो दूसरी अभय पांडेय के पीठ में जा लगी। वहीं तीसरी गोली अभिषेक पांडेय के बाएं बांह में लगी है। वहीं ओमकार पांडेय की ओर से भी कुछ लोगों को गोली लगी है। ये है पूरा मामला ओमकार व जगदीश आपस में पट्टीदार है। ओमकार के अनुसार जगदीश के खानदान के त्रिवेणी पांडेय की मौत हो जाने के बाद उनकी पत्नी ने उनके नाम पर तीन बीघे भूमि लिख दिया था। उसी भूमि को वे लोग अपना बताते हुए कब्जा करना चाहते हैं। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कई सालों से मुकदमा चल रहा है। उसी भूमि में कूड़ा फेंकने का विरोध करने पर आरोपितों से विवाद हो गया।एक विवादित भूमि में कूड़ा फेंकने को लेकर अघौली गांव में मारपीट व फायरिंग हो गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि कुछ लोग घायल हैं। तहरीर के आधार पर हत्या सहित अन्य आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दोस्तों के साथ जन्मदिन मनाकर घर लौट रहा था बीएससी का छात्र, पुल से गिरकर मौत, परिजनों में कोहराम

(आधुनिक समाचार सेवा)

मीरजापुर । शनिवार को धर्मेंद्र का जन्मदिन था। धर्मेंद्र अपने साथियों के साथ जन्म दिन मनाने के बाद घर जाने के लिए निकला। धर्मेंद्र को उसके साथी बाइक से सुरेश सिंह महाविद्यालय के पास स्थित

पुल पर छोड़ कर चले गए। उनके जाने के बाद धर्मेंद्र ने अपनी साइकिल महाविद्यालय से लेने के लिए पुल पर अपनी तरफ बनी सीढ़ी से उतरने के बजाय दूसरी तरफ सीढ़ी से उतरने के लिए डिवाइडर को पार करने के लिए छलांग लगा दी। जन्मदिन मनाकर घर जाते समय शनिवार को दोपहर बाद शिवशंकरी धाम दीक्षितपुर ओवरब्रिज पर एक से दूसरे छोर पर जाने के लिए छलांग लगाकर पार करते समय नीचे गिरने से छात्र की मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया। अदलहाट थाना क्षेत्र के पचेगड़ा राजूपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार (18) पुत्र जयराम दीक्षितपुर स्थित सुरेश सिंह महाविद्यालय में बीएससी कृषि प्रथम वर्ष का छात्र था। शनिवार को धर्मेंद्र का जन्मदिन था। धर्मेंद्र अपने साथियों के साथ जन्म दिन मनाने के बाद घर जाने के लिए निकला। धर्मेंद्र को उसके साथी बाइक से सुरेश महाविद्यालय के पास स्थित पुल पर छोड़ कर चले गए। उनके जाने के बाद धर्मेंद्र ने अपनी साइकिल महाविद्यालय से लेने के लिए पुल पर अपनी तरफ बनी सीढ़ी से उतरने के बजाय दूसरी तरफ सीढ़ी से उतरने के लिए डिवाइडर को पार करने के लिए छलांग लगा दी। पुल पर डिवाइडर के बीच में गैप है। दोनों पुल के बीच में दूरी ज्यादा होने के कारण छलांग लगाते समय छात्र उस पार न जाकर नीचे गिर गया। करीब 60 फीट नीचे गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर उप निरीक्षक हरेराम यादव व राम प्रताप यादव मौके पर पहुंचे। इन लोगों ने परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। धर्मेंद्र दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था। बड़े भाई जितेंद्र कुमार बाइक मैकेनिक हैं। एक बहन है। जिसकी शादी अभी नहीं हुई है। पिता राजगीर मिस्त्री हैं। थानाध्यक्ष त्रिवेणी लाल सेन ने बताया कि पुल पार करते समय नीचे गिरने से छात्र की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

एनटीपीसी-विंध्याचल ने मनाया 41वां स्थापना दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)

शक्तिनगर। एनटीपीसी-विंध्याचल की ओर से शनिवार को अपना 41वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान

प्रशासनिक-भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) ई. सत्य फनी कुमार ने एनटीपीसी ध्वजारोहण किया। इस दौरान एनटीपीसी गीत का गायन हुआ। महाप्रबंधकों ने केक काटकर हवा में गुब्बारे छोड़े। सत्य फनी ने कहा कि 12 नवंबर, 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने परियोजना की नींव रखी थी। एक सितंबर 1987 को एनटीपीसी-विंध्यांचल की प्रथम यूनिट 210 मेगावाट का कामर्शियल आपरेशन आरंभ हुआ। विगत वर्षों में एनटीपीसी विंध्याचल ने उत्पादन क्षमता को कई गुना बढ़ाया है शून्य से लेकर 4783 मेगावाट के माइल-स्टोन को प्राप्त करने के लिए विंध्याचल के कर्मठ कर्मचारियों ने विपरीत परिस्थितियों में असीम धैर्य, त्याग, तपस्या और बलिदान दिया है। इस अवसर पर एनटीपीसी विंध्याचल के अपर महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सुहासिनी संघ सरोजा फनी कुमार एवं सुहासिनी संघ के पदाधिकारी, असिस्टेंट कमांडेंट सीआईएसएफ अजित कुमार टोप्पो, यूनियन के पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

पेड़ से लटकता मिला अधेड़ का शव

(आधुनिक समाचार सेवा)

ओबरा। स्थानीय थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत पनारी के टोला चलाकी में शनिवार की सुबह एक किसान का महुए के पेड़ से रस्सी के सहारे शव लटकता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल ले गई। पुलिस के अनुसार ग्राम पंचायत पनारी अंतर्गत टोला चलाकी निवासी राममूरत सिंह (45) का शव शनिवार की सुबह घर से लगभग सौ मीटर की दूरी पर महुए के पेड़ से लटकता मिला। मृतक के पुत्र मथुरा सिंह ने थाने में दी तहरीर में बताया कि पिता राममूरत रोज की भांति शुक्रवार की रात्रि खाना खाकर अपने कमरे में सोने चले गए। शनिवार की सुबह जब वह घर में नहीं दिखे तो उनकी खोजबीन शुरू हुई। इसी बीच घर से सौ मीटर की दूरी पर स्थित महुए के पेड़ में रस्सी के सहारे लटकता देख परिजन सन्न रह गए। उनके पुत्र की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मामले में उप निरीक्षक बालकिशुन कुशवाहा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराने की कार्रवाई की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ वादों का निस्तारण

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र की ओर से जिला न्यायालय परिसर राबर्ट्सगंज में शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ न्यायमूर्ति गौतम चौधरी (प्रशासनिक) सोनभद्र ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। लोक अदालत में कुल 48091 वादों का निस्तारण किया गया। वहीं 18 करोड़ 51 लाख 82 हजार 519 रुपये बकाया जमा कराया गया। न्यायमूर्ति ने सभी न्यायिक अधिकारी व अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत वादकारियों के लिए वरदान है, जिसमें मामले सुलह समझौते के आधार पर समाप्त किए जा सकते हैं एवं छोटे मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाता है। लोक अदालत को सफल बनाने के लिए अधिवक्ताओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वह वादकारियों व न्यायालय के बीच की कड़ी है।

लोक अदालत का सबसे बड़ा गुण निशुल्क तथा त्वरित न्याय विवादों के निपटारे का वैकल्पिक माध्यम है। इसका उद्देश्य है कि देश का कोई भी नागरिक आर्थिक या किसी अक्षमता के कारण न्याय पाने में वंचित ना रह जाए। इसलिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य न्याय सबके लिए हैं। उन्होंने कहा कि असहाय वृद्धों के प्रति सामाजिक चुनौतियां जटिल हो जाती हैं, ऐसे में असहायों का सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वावलंबी होना आवश्यक है। इस दौरान असहाय वृद्धों में कंबल प्रदान किया गया। इस दौरान जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सोनभद्र अशोक कुमार यादव प्रथम, परिवार न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश संजीव त्यागी, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के पीठासीन अधिकारी संजय हरीश शुक्ला, अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम खलिकुज्जमा, विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एहसानुल्लाह

फाइनल मैच पर फिर सकता है पानी बारिश होने का है अनुमान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। हालांकि इस मैच में बारिश आफत बन सकती है और मौसम विभाग के अनुसार फाइनल में रविवार और सोमवार को रिजर्व डे पर वर्षा का साया मंडरा रहा है। खिताबी मुकाबले से पहले शनिवार की रात मेलबर्न में वर्षा हुई है। सामान्य टी-20 मैच में न्यूनतम पांच ओवर का मुकाबला कराया जा सकता है, लेकिन विश्व कप में तकनीकी समिति ने प्रत्येक टीम के लिए न्यूनतम 10 ओवर का प्रावधान रखा है जिसमें अगर जरूरत पड़ी तो रिजर्व डे पर मैच जल्दी शुरू होगा। अगर फाइनल मुकाबला तय दिन और रिजर्व डे दोनों पर ही नहीं होते हैं तो इस स्थिति में दोनों टीमों को विजेता घोषित किया जाएगा। आपको बता दें कि 2009 की विजेता टीम पाकिस्तान और 2010 में टी-20 विश्व कप की ट्राफी अपने नाम कर चुकी इंग्लैंड का खिताबी मुकाबले तक का सफर काफी रोमांचक रहा है। इंग्लैंड सुपर-12 में जहां ग्रुप-1 में शामिल था, वहीं पाकिस्तान की टीम ग्रुप-2 में थी। दोनों ही टीमें अपने-अपने ग्रुप में शुरुआत में सेमीफाइनल की दौड़ तक में शामिल नहीं दिख रही थीं। पाकिस्तान पर चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और जिंबाब्वे से मिली हार के कारण पहले हफ्ते में ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था, लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हफ्ते में पाकिस्तान ने नाटकीय वापसी की और दक्षिण अफ्रीका पर जीत से आशा बढ़ा दीं।पाकिस्तान और इंग्लैंड का सफर सुपर-12 चरण में भले ही डगमगाया हुआ रहा हो, लेकिन दोनों ही टीमों ने सेमीफाइनल में अपने-अपने मुकाबले एकतरफा अंदाज में जीते थे। पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने ट्राफी की प्रबल दावेदार भारत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पाकिस्तान और इंग्लैंड की सलामी जोड़ी ने सेमीफाइनल में जिस तरह की बल्लेबाजी की, उसे देखते हुए फाइनल में बड़े स्कोर की आशा की जा सकती है।

न्यूजीलैंड में भारत के फील्डिंग कोच होंगे मुनीष बाली

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। मुनीष बाली को न्यूजीलैंड के सीमित ओवर दौरे पर भारतीय क्रिकेट टीम का क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया गया और वह वीवीएस लक्ष्मण की अध्यक्षता वाले सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे। राहुल द्रविड़ की अगुआई वाले सहयोगी स्टाफ को टी-20 विश्व कप के बाद ब्रेक दिया गया है जिससे लक्ष्मण 18 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाले इस दौरे पर मुख्य कोच होंगे। भारत इस दौरे पर तीन मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेलेगा। न्यूजीलैंड में बाली, ऋषिकेश कानिटकर (बल्लेबाजी कोच) और साईराज बहुतुले (गेंदबाजी कोच) सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होंगे। बाली आयरलैंड में भारतीय टीम का हिस्सा थे। वह दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध घरेलू श्रृंखला के अलावा इस साल के शुरू में कुछ समय के लिए इंग्लैंड में भी टीम के साथ थे। बीसीसीआइ के एक अधिकारी ने कहा कि ये तीनों न्यूजीलैंड में वीवीएस लक्ष्मण के सहायक होंगे। आपको बता दें कि इस दौरे के लिए राहुल द्रविड़ की गैरमौजूदगी में वीवीएस लक्ष्मण को भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2022 के ठीक बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड दौरे पर जाने वाली है और इस दौरे के लिए कभी सीनियर खिलाड़ियों के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2022 में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को आराम दिया गया है जिसमें विराट कोहली, रोहित शर्मा, केएल राहुल, मो. शमी जैसे प्लेयर शामिल हैं। न्यूजीलैंड दौरे पर भारतीय टी20 टीम की कप्तानी हार्दिक पांड्या के हाथों में होगी जबकि टीम का उप-कप्तान रिषभ पंत को बनाया गया है तो वहीं वनडे टीम की कप्तानी शिखर धवन करेंगे।

ब्राजील 20 साल बाद विश्व कप जीत सकता है : रोनाल्डो नजारियो

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। ब्राजील के पूर्व स्टार फुटबालर रोनाल्डो नजारियो ने लगातार दो विश्व कप फाइनल खेले हैं। जिसमें पहली में हार, दूसरी में जीत मिली थी। 2014 में मिरोस्लाव क्लोस के आगे निकलने से पूर्व वह इस प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्कोरर थे। जर्मनी के विरुद्ध 2002 के फाइनल में दो गोल और दो विश्व कप जीतने वाले पदक के साथ, वह अब स्पेन और ब्राजील में दो फुटबाल क्लबों के मालिक बनकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि 20 साल बाद ब्राजील विश्व कप जीत सकता है। रोनाल्डो नजारियो का विशेष साक्षात्कार। पेश हैं मुख्य अंश हमारी टीम बहुत अच्छी है और हम यह कर सकते हैं। ब्राजील बहुत अच्छा खेल रहा है। क्वालीफायर्स में वे शानदार रहे। हम सभी को पता है कि दक्षिण अमेरिका की क्वालीफायर्स कितनी कठिन होती है। हमें पूरे महाद्वीप में विभिन्न वातावरण में मुश्किल टीमों का सामना करना पड़ता है। जब एक टीम अच्छा खेलती है, लगातार ऐसी परिस्थिति में दबदबा बनाती है तो यह पता चल जाता है कि टीम में सब बहुत बढ़िया चल रहा है। परिणाम बेहतर मिलेंगे। हां, टाइट को पहले 11 में उपलब्ध छह खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ तीन का चयन करना होगा, लेकिन यह एक ऐसी चुनौती है जो किसी भी कोच को पसंद आएगी। नेमार जरूर टीम का हिस्सा होंगे। वह अपने क्लब के लिए अभी बेहतरीन फार्म में हैं। साथ ही उन्हें विश्व कप पूरी तरह से स्वस्थ होकर पहुंचना होगा। यह सबसे जरूरी है। उनकी प्रतिभा पर कोई संदेह नहीं है। मैं मानता हूं कि वह पूरी तरह से तैयार हैं।यह निर्णय टाइट को लेना है। हालांकि, मुझे लगता है कि उन्होंने अब तक अपनी प्लेइंग 11 चुन ली होगी, पर वह सभी को मौका देना चाहेंगे। रीयल मैड्रिड में उनकी फार्म को देखते हुए मैं विनि को प्राथमिकता दूंगा, लेकिन यह मुश्किल है। कोच को अपने संयोजन को ध्यान में रखते हुए टीम की जरूरत के अनुसार खिलाड़ियों को चुनना होगा। साथ ही विरोधी टीम की कमजोरी को भी ध्यान में रखना होगा। यूरोपियन अच्छा खेल रहे हैं। उनके पास गति और आक्रामकता है, वे ब्राजीलियाई लोगों की तरह गोल कर रहे हैं। उन्होंने हमेशा अच्छा बचाव किया है। दक्षिण अमेरिकी इतने सालों से यूरोप में खेल रहे हैं। उनको यूरोपियन जानते हैं। इसलिए अब वास्तव में बहुत अंतर नहीं है। हम पिछले कुछ विश्व कप में निर्णायक क्षणों में अच्छा खेलने में नाकाम रहे। शायद नहीं। कोचिंग बहुत कठिन है। एक खिलाड़ी के रूप में आप अपनी क्षमता के अनुसार खेलते हैं, लेकिन जब आप मैनेजर होते हैं तो आपको टीम के बारे में सोचना होता है।

क्या है इंग्लैंड व पाकिस्तान की ताकत व कमजोरी, फाइनल में इन पर रहेंगी नजरें

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 का फाइनल मुकाबला मेलबर्न में आज भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1.30 बजे से खेला जाएगा। इस फाइनल मैच में बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान का सामना जोस बटलर की कप्तानी वाली मजबूत इंग्लैंड के साथ होगा। दोनों टीमें एक-एक बार ये खिताब जीत चुकी है और दोनों के पास फिर से दोबारा टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनने का सुनहरा अवसर है। आइए जानते हैं इन मैचों में दोनों टीमों के किन खिलाड़ियों पर निगाहें रहेंगी साथ ही दोनों टीमों की कमजोरी और ताकत क्या है। बाबर आजम - पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने सेमीफाइनल मुकाबले में अर्धशतक जड़कर फार्म हासिल की थी। वह पूरे टूर्नामेंट के दौरान रन बनाने के लिए जूझ रहे थे।मोहम्मद रिजवान - पाकिस्तान के लिए इस साल टी-20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले रिजवान टी-20 रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं।शाहीन शाह अफरीदी - तेज गेंदबाज अफरीदी टीम के मुख्य गेंदबाज हैं जो अपनी शानदार गेंदबाजी से विरोधी खेमे में हलचल मचा सकते हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में अबतक 10 विकेट लिए हैं। शादाब खान - आलराउंडर शादाब बल्ले और गेंद दोनों से टीम को मजबूती प्रदान करते हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध सुपर-12 चरण के महत्वपूर्ण मैच में अर्धशतक जड़ा था और दो विकेट लिए थे। शान मसूद - बल्लेबाज मसूद ने समय-समय पर टीम के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं और पाकिस्तान को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला है।जोस बटलर - कप्तान बटलर अबतक शानदार फार्म में चल रहे हैं और उन्होंने मौजूदा विश्व कप में 199 रन बनाए हैं। बटलर ने सुपर-12 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध और सेमीफाइनल में भारत के विरुद्ध धुआंधार पारियां खेली थी। एलेक्स हेल्स - हेल्स ओपनर के तौर पर अपने कप्तान का बखूबी साथ निभाते आए हैं और वह अपनी टीम के लिए तेजी से रन बना रहे हैं। हेल्स इंग्लैंड के लिए इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।बेन स्टोक्स - आलराउंडर स्टोक्स हमेशा से ही बड़े मैच के खिलाड़ी रहे हैं और बल्ले तथा गेंद दोनों से टीम की जीत में योगदान दे सकते हैं। सैम कुर्रन - कुर्रन भी बल्ले और गेंद से टीम के लिए अहम साबित होते आए हैं और वह इस टूर्नामेंट में अबतक 10 विकेट ले चुके हैं। क्रिस जार्डन - तेज गेंदबाज जार्डन को सेमीफाइनल में मार्क वुड की जगह लिया गया था और उन्होंने उस मैच में तीन महत्वपूर्ण विकेट चटकाए थे और भारत को तेजी से रन बनाने से रोके रखा था।

राशिफल

मेष-:रियल एस्टेट से जुड़े निवेश से आपको अच्छा मुनाफा होगा. परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊंचे लक्ष्य की प्राप्ति की दृष्टि से जानबूझ कर थोड़ा जोखिम उठाया जा सकता है।

वृष-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आप कोई खास काम करना चाहते हैं तो आज का दिन बेहतर है। कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको मिल सकती है।

मिथुन-:आज आप अपने जीवन साथी के स्वभाव में गंभीरता का अनुभव करेंगे. व्यापार में आज कोई जोखिम न लें। लोगों को पैसे उधार देने से बचें। आप भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस कर सकते हैं।

कर्क-:स्वास्थ्य को लेकर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। यात्रा और धन खर्च करने के मूड में रहेंगे लेकिन अगर आप ऐसा करते हैं तो आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

सिंह-:आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव हो सकता है। परिवार के कारण आपका मूड थोड़ा खराब हो सकता है। आप खुद को व्यस्त रखने की कोशिश करेंगे।

कन्या-:आज आपको अपने परिवार वालों से कोई उपहार मिल सकता है. बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा। विद्यार्थी भी मन लगाकर मेहनत करेंगे। कड़ी मेहनत के कारण आपको सफलता मिलेगी।

तुला-: निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए. शाम को अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या मूवी देखना आपको सुकून और खुशी का अनुभव कराएगा।

वृश्चिक-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ अधिक समय व्यतीत करेंगे। इस राशि के छात्रों के मन में सकारात्मक विचार आएंगे।

धनु-:आज नौकरी के क्षेत्र में किया गया प्रयास सफल होगा. परिवार के सदस्यों के साथ संबंध और मधुर होंगे। प्रेम संबंधों को लेकर आप काफी उत्साहित रहेंगे।

मकर-:अचानक से परेशानी के कारण परिवार की शांति भंग हो सकती है. लेकिन ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि समय सब कुछ ठीक कर देगा। परेशानी का सामना शांति से करना समय की मांग है।

कुंभ-:आज आपको मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. घर का काम समय पर पूरा करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। आप नई चीजों को जानने के लिए उत्सुक रहेंगे।

मीन-:आज आपका जीवन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक रहेगा. चुप रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। भविष्य की योजनाओं के बारे में गहराई से सोचें। प्यार आपके शरीर और दिमाग पर हावी है।

पाकिस्तान और इंग्लैंड के पास फिर से चैंपियन बनने का मौका

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में टी-20 विश्व कप का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमें इससे पहले एक-एक बार यह ट्राफी अपने नाम कर चुकी हैं और जो भी टीम फाइनल मैच को छोड़ दें तो पाकिस्तान की बल्लेबाजी ने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन नहीं किया था और उसके बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझ रहे थे। इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने पाकिस्तान बल्लेबाजों को सेमीफाइनल जैसा प्रदर्शन दोहराने की जरूरत होगी।

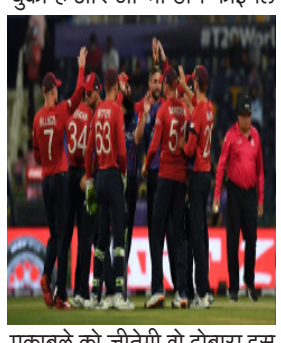

इंग्लैंड का मजबूत मजबूत पक्ष : इंग्लैंड का सबसे मजबूत पक्ष सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स और कप्तान जोस बटलर की ओपनिंग जोड़ी है। इस जोड़ी ने सेमीफाइनल में भारत के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया था। दूसरी तरफ, पाकिस्तान का हमेशा से ही गेंदबाजी मजबूत पक्ष रहा है। दिलचस्प बात तो यह है कि इस विश्व कप में अबतक कोई भी टीम पाकिस्तान के विरुद्ध 160 रन से ज्यादा का स्कोर खड़ा नहीं कर सकी है। पाकिस्तान का मजबूत व कमजोर पक्षः पाकिस्तान की सबसे बड़ी मजबूती टीम के दोनों ओपनर बल्लेबाज बाबर आजम और मो. रिजवान हैं। अगर ये दोनों चल गए तो किसी भी टीम के लिए मुसीबत बन सकते हैं। वहीं अगर ये दोनों बल्लेबाज फेल हो गए तो पाकिस्तान की टीम दबाव में आकर बिखर सकती है। 6.74 के इकोनामी रेट से पाकिस्तान के गेंदबाजों ने इस विश्व कप में गेंदबाजी की है।

मुकाबले को जीतेगी वो दोबारा इस ट्राफी को अपने नाम कर लेगी। अभी तक सिर्फ वेस्टइंडीज ही एकमात्र ऐसी टीम है जिसने दो बार इस ट्राफी को अपने नाम किया है। इंग्लैंड की कमजोरी : इंग्लैंड की सबसे बड़ी कमजोरी उसका मध्यक्रम है जो अभी तक अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहा है। इंग्लैंड के मध्यक्रम के बल्लेबाजों को पाकिस्तान के विरुद्ध जिम्मेदारी निभानी होगी। दूसरी ओर, अगर न्यूजीलैंड के विरुद्ध सेमीफाइनल

आरसीबी के इस तेज गेंदबाज को मुंबई ने अगले सीजन के लिए बेस प्राइस पर किया ट्रेड

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पांच बार की आइपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेसन बेहरेनडार्फ को अगले सीजन यानी आइपीएल 2023 के लिए रायल चैलेंजर्स बैंगलोर से ट्रेड किया है। जेसन इस सीजन से पहले आरसीबी टीम का हिस्सा थे, लेकिन अगले सीजन में वो रोहित शर्मा की कप्तानी में मुंबई के लिए गेंदबाजी करते हुए नजर आएंगे। आइपीएल ने ट्वीट करते हुए इस बात की घोषणा की और ये इस साल का पहला ट्रेड है। वैसे जेसन बेहरेनडार्फ इससे पहले मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा साल 2018 में रह चुके हैं। आइपीएल ने इसके लिए एक प्रेस रीलिज भी जारी किया और लिखा कि आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जेसन को मुंबई ने टाटा आइपीएल 2023 सीजन के लिए आरसीबी से खरीद लिया है। मुंबई ने आरसीबी से इस तेज गेंदबाज को उनके बेस प्राइस 75 लाख रूपये में खरीदा। जेसन ने इससे पहले 2018 में मुंबई के खेला था जबकि साल 2021 में वो चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा थे तो वहीं साल 2022 में वो आरसीबी में शामिल हो गए। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने अब तक 9 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं जिसमें उनके नाम पर 7 विकेट दर्ज है तो वहीं उनका बेस्ट प्रदर्शन 21 रन देकर 4 विकेट रहा है। आपको बता दें कि आइपीएल 2023 के लिए मिनी आक्शन का आयोजन 23 दिसंबर को किया जाएगा, लेकिन इससे पहले मुंबई ने अपने रीलिज और रिटेन किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआइ को सौंप दी है। मुंबई ने जिन खिलाड़ियों को रिटेन किया है उसमें रोहित शर्मा, देवल्ड ब्रेविस, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, डेनियल सैम्स, टिम डेविड, जोफ्रा आर्चर, जसप्रीत बुमराह, ट्रिस्टन स्टब्स और तिलक वर्मा शामिल हैं तो वहीं मुंबई की टीम ने फैबियन एलेन, कीरोन पोलार्ड, टाइमल मिल्स, मयंक मारकंडे और ऋतिक शौकिन को रीलिज कर दिया है।

आइपीएल का सहारा लेकर भारतीय खिलाड़ियों को निशाना बनाना ठीक नहीं- सुनील गावस्कर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। हर खेल में एक विजेता होता है और एक पराजित, लेकिन मौजूदा टी-20 विश्व कप 2022 में टीम इंडिया की करारी हार ने भारतीय फैंस को स्तब्ध कर दिया है। रोहित एंड कंपनी के लिए ये उस तरह की हार नहीं है जिससे टीम इंडिया की कमजोरियों पर पर्दा डल जाए, बल्कि इस हार ने भारतीय टीम के साथ उन सीनियर खिलाड़ियों पर भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं जिनका टी-20 विश्व कप 2022 में प्रदर्शन बेहद औसत रहा। टी-20 बेशक युवाओं का खेल है, लेकिन टीम को युवा और अनुभव का अच्छा मिश्रण चाहिए होता है।साल 2007 में जब भारतीय टीम ने टी-20 विश्व कप का पहला एडिशन खेला था तब टीम के टेस्ट कप्तान राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, अनिल कुंबले और वीवीएस लक्ष्मण ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी अनुपलब्धता जता दी थी, जिसकी वजह से चयन समिति को युवा खिलाड़ियों की ऐसी टीम चुनने का मौका मिला जिसने मैदान में शेरों की तरह फील्डिंग की। फील्डिंग एक अहम पहलू है, खासकर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में और इस विश्व कप में भारतीय टीम में एक से ज्यादा ऐसे फील्डर थे जिन्हें मैदान में छिपाने की जरूरत पड़ रही थी। ऐसे में अब भारतीय टीम पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर दुनिया की बेस्ट टी-20 लीग होने के बावजूद भारतीय टीम आइसीसी टूर्नामेंट जीतने में क्यों नाकामयाब साबित हो रही है। इस तरह के सुझाव भी सामने आ रहे हैं कि भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी टी-20 लीग में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी जानी चाहिए ताकि इससे उन्हें अधिक अनुभव और एक्सपोजर मिल सके। इस सवाल का जवाब काफी आसान है। इंग्लैंड के पास दुनिया की सबसे प्रचारित फुटबाल लीग ईपीएल है, लेकिन क्या इंग्लैंड ने अब तक विश्व कप यहां तक कि क्या दशकों से यूरोपियन कप जीता है इंग्लैंड के खिलाड़ी यूरोप की दूसरी लीग में भी हिस्सा लेते हैं। ऐसे में जिस देश में दुनिया की बेस्ट लीग खेली जा रही है या वहां के खिलाड़ी दूसरी लीग में खेल रहे हैं वो भी बहुदेशीय टूर्नामेंट जीतने की गारंटी नहीं दे सकती। बिग बैश लीग होने के बावजूद आस्ट्रेलियाई टीम पिछले साल ही टी-20 विश्व कप जीत सकी थी। पीएसएल और इंग्लैंड की टी-20 लीग भी इन देशों को नियमित रूप से चैंपियन नहीं बना रही है। ये बात अलग है कि अगर मेलबर्न का मौसम नहीं बिगड़ता तो इनमें से कोई एक टीम इस बार चैंपियन बन जाएगी। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और श्रीलंकाई खिलाड़ी आइपीएल समेत दुनिया की अन्य लीग में भी खेलते हैं लेकिन क्या ये देश फाइनल में पहुंचे ऐसे में हमें भारतीय खिलाड़ियों पर आइपीएल का सहारा लेकर हमला नहीं करना चाहिए। आइपीएल की टीम इस दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग है और इसे ऐसा बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है कि भारतीय खिलाड़ियों को इस लीग तक सीमित रखा जाए, खासकर तब जबकि भारतीय क्रिकेट का घरेलू सत्र भी चल रहा हो और अगर ये भारतीय खिलाड़ी विदेशी टी-20 लीग में हिस्सा लेने लगे तो इनका वर्कलोड कैसे मैनेज होगा। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में सिर्फ उनकी गेंदबाजी के चलते ही हार नहीं मिली जो तेजतर्रार नहीं थी बल्कि बल्लेबाजों की वजह से भी मिली जो पारी के आखिरी लम्हों में नींद से जागे। अगर हार्दिक पांड्या सेमीफाइनल में वो जबरदस्त पारी नहीं खेलते तो शायद टीम 150 के करीब भी नहीं पहुंचती। यही एक आसान सा क्रिकेटीय कारण है और ये किसी भी दिन किसी भी टीम के साथ हो सकता है। हमने ये तब भी देखा जब आयरलैंड ने इंग्लैंड और नीदरलैंड्स ने दक्षिण अफ्रीका को मात दी। यही टी-20 क्रिकेट की वास्तविकता है। कोई भी टीम जीत सकती है। बेशक भारतीय टीम हार गई, लेकिन वो इसलिए क्योंकि इंग्लैंड उस दिन उससे बेहतर साबित हुई।

सम्पादकीय

फर्राटा भरती गाड़ियां सड़क किनारे खड़े आदमी और पैदल चलने वालों की तो शामत आई

फर्राटा भरती गाड़ियां सड़क किनारे खड़े आदमी की चिंता नहीं करतीं। पैदल आदमी की जिंदगी चमकीली गाड़ियों की कृपा पर निर्भर है। उसने सड़क पार कर ली, तो समझो कि भवसागर पार कर लिया। वैसे भी नई सदी की सड़कें पैदल आदमी के लिए नहीं बनी हैं। साधो, शहर स्मार्ट हो रहे हैं। सड़कें चौड़ी की जा रही हैं। पेड़ काटे जा रहे हैं। हवाई अड्डे तक का रास्ता साफ-सुथरा और चमकीला बनाया जा रहा है। फ्लाई ओवर कहे जाने वाले पुलों का तेजी से निर्माण हो रहा है। सब तरफ गड्ढे खोदे जा रहे हैं। फिर इन गड्ढो को भरे जाने की मुहिम चलेगी। लाइटें लग रही हैं। वे अभी जल नहीं रही हैं। लेकिन देखना, एक दिन शहर दूधिया रोशनी से जगमगा उठेगा। सड़कों के दोनों तरफ बने फुटपाथों को तेजी से मिटाया जा रहा है।फरमान जारी कर दिया गया है कि स्मार्ट शहरों-नगरों में अब कोई पैदल नहीं चलेगा। अपने दो पैरों से कदम-कदम रास्ता नापने वाले लोगों को अब अपराधी करार दिया जाएगा। कोई साइकिलधारी भी अब इन सड़कों पर दिखाई नहीं देगा। सबके पास अपनी महंगी, चमचमाती और फर्राटा भरती गाड़ियां होंगी। उन गाड़ियों के भीतर स्मार्ट लोग होंगे, जो पैदल या साइकिल से चलने वालों को हिकारत की नजरों से देखेंगे। स्मार्ट होना आदमी और आदमी में भेद करना सिखाता है। युवा पीढ़ी को इस मामले में ट्रेंड यानी प्रशिक्षित किया जा रहा है। सड़क के किनारे पैदल चलता आदमी बेचारा या फिर जानवर सरीखा है, जिसे किसी भी क्षण दुत्कारा या दूर हांका जा सकता है। पैदल चलने वालों से शहर की छवि छवि खराब होती है। ऐसे लोग शहरों के लिए प्रदूषण की मानिंद हैं। वे उस पार जाने की प्रतीक्षा में सड़क किनारे खड़े होकर फर्राटा भरती गाड़ियों के सुगम आवागमन में बाधा उत्पन्न करते हैं। नई व्यवस्था में स्मार्ट मोटर गाड़ी से दबने या कुचल जाने का दोषी अब पैदल चलने वाला आदमी ही माना जाएगा। उसके पैदल चलने के अधिकार को अब निरस्त कर दिया गया है। पैदल चलता आदमी हर समय तनावग्रस्त रहता है, जबकि गाड़ी के भीतर बैठा स्मार्ट आदमी सब तरह के टेंशन (तनाव) से मुक्त होता है। फर्राटा भरती गाड़ियां सड़क के किनारे खड़े आदमी की चिंता नहीं करतीं। पैदल चलते आदमी की जिंदगी चमकीली गाड़ियों की कृपा पर निर्भर है। उसने सड़क पार कर ली, तो समझो कि भवसागर पार कर लिया। वैसे भी नई सदी की सड़कें पैदल आदमी के लिए नहीं बनी हैं। पैदल चलता आदमी फुरसतिया या फिर पूरी तरह निठल्ला होता है। उसके पास कभी कोई जरूरी काम नहीं होता। अगर जरूरी काम होता, तब क्या वह पैदल चलकर वक्त जाया करता ऐसा आदमी समय की अहमियत नहीं समझता। उसका दो पैरों पर घिसटना फितूर है। ऐसा आदमी किसी भी समय वाहन की चपेट में आने के लिए उपलब्ध होता है। पैदल आदमी स्मार्ट शहर के नूरानी चेहरे पर बदनुमा दाग की तरह है। स्मार्ट सिटी में उसकी हाजिरी संगीन अपराध की तरह है। कवि नागार्जुन ने बहुत पहले कहा था, पैदल चलने वालों की तो शामत आई। आप पैदल चलने वालों में शुमार हैं, तो यह आपका दोष है, सरकार का नहीं। अगर आप पैदल चलते हैं और बरसात में चुपचाप सड़क किनारे से गुजर रहे हैं, तब अचानक तीव्र गति से कोई स्कार्पियो या मर्सिडीज आपके पास से गुजरेगी और उसमें बैठी एक खूबसूरत महिला तथा उसकी गोद में झबरे बालों वाला स्मार्ट डॉगी आपके भीतर कुत्ता होने का तेजी से एहसास जगा देगा। एकाएक आप उस ऊंची नस्ल वाले कुत्ते से बहुत नीचे हो जाएंगे। स्मार्ट गाड़ी उसी क्षण सड़क के गड्ढे में भरा पानी तेजी से आपके ऊपर उलीच देगी और आप ठगे-से रह जाएंगे। उस वक्त आप गंदे पानी से नहीं, बल्कि आम आदमी होने की कोफ्त से सराबोर होंगे। एयरकंडीशंड (वातानुकूलित) गाड़ियां आपकी और आपके मरने की चिंता नहीं करेंगी। उसके लिए आप आदमी नहीं, भुनगे हैं। आपको टक्कर मारकर अगर उसने हवाई उड़ान भर दी, तो आप सिवा देखते रहने या चिल्लाने के और कर भी क्या सकते हैं पैदल चलते आदमी की तरफ गाड़ी में बैठे आदमी का ध्यान तभी जाता है, जब किसी मोड़ पर उसे रास्ता पूछना होता है और फिर उसे हिकारत से देखता हुआ वह आगे बढ़ जाता है।

सभी गरीब भाग्यशाली नहीं हैं, आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को मिलेगी गति

गरीबों के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को गति मिलेगी। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को इस आरक्षण से बाहर रखने का (जो कुल गरीबों का लगभग 81.5 फीसदी हैं) फैसला निर्धनों से भी निर्धनतम को समानता और न्याय से वंचित करेगा। इस कॉलम का विषय कानून, राजनीति, समानता की धारणा और सामाजिक न्याय के विचारों के मिलन बिंदु पर है। मैं इस बारे में बहुत अच्छी तरह जानता हूं कि समकालीन भारत में सामाजिक न्याय क्या है और उसके आगे का रास्ता क्या है। मुझे इस बारे में भी जानकारी है कि भारतीय समाज में कितनी असमानता है और समाज में समानता लाने के लिए कौन-कौन से सौ कदम उठाए जाने की जरूरत है। अगर हम सामाजिक न्याय और समानता की बात करें, तो कभी सामाजिक न्याय बाधित होता है, तो कभी समानता का उद्देश्य पूरा नहीं होता। कानून विधानसभाओं में बनते हैं, जहां राजनेता ही होते हैं। कानून को नियंत्रित और लागू करने का काम न्यायाधीशों का है, जिनका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं। शासकों को न्यायाधीशों से डरना ही चाहिए, लेकिन न्यायाधीशों को शासकों से नहीं डरना चाहिए। कानून और राजनीति अगर टकराएं, तो उसका नतीजा ही इस बारे में ठीक-ठीक बता सकता है कि कोई देश कानून से शासित होता है या नहीं। मिलन बिंदु पर विगत सात नवंबर को एक एनजीओ जनहित अभियान पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला इसका सटीक उदाहरण है कि कानून, राजनीति, सामाजिक न्याय और समानता के विचार जब एक साथ टकराते हैं, तो कैसी दुविधा उपस्थित होती है। शीर्ष अदालत का फैसला उन तमाम याचिकाओं की सुनवाई के बाद आया था, जिनमें संविधान के 103वें संशोधन-या ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले को चुनौती दी गई थी। ईडब्ल्यूएस का मतलब है आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग। यहां मैं उन्हें गरीब ही कहूंगा। मैं इस कॉलम में अदालत के फैसले पर टिप्पणी करने के बजाय मुद्दों पर बात करूंगा और पाठकों से अपना पक्ष तय करने के लिए कहूंगा। बुनियादी मुद्दे शिक्षा संस्थानों और सरकारी रोजगार में आज कई तरह के आरक्षण हैं। ये आरक्षण 'सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों' के लिए यानी अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और दूसरे पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए हैं। इन वर्गों के लोगों के सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े होने के ऐतिहासिक और अकाट्य कारण हैं। आरक्षण को 'सकारात्मक कार्रवाई' का औजार माना गया है और एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण को वैधता और मंजूरी मिली हुई है। ऐसी धारणा है कि आरक्षण की व्यवस्था से समाज के उस वर्ग में क्षोभ है, जो एससी, एसटी और ओबीसी नहीं हैं और जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलता। चूंकि इस वर्ग के गरीब भी शिक्षा और रोजगार के क्षेत्रों में ऐसी ही समस्याओं का सामना करते हैं, ऐसे में, यह विचार आया कि क्या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए भी आरक्षण की व्यवस्था की जा सकती है? धारणागत रूप से यह विचार अच्छा था, पर इसमें कई तरह की बाधाएं थीं। जैसे कि क्या ये गरीब सामाजिक और शैक्षिक रूप से भी पिछड़े हैं, जिसे कि संविधान ने आरक्षण का लाभ देने की एकमात्र कसौटी माना है? आर्थिक न्याय के लक्ष्य के लिए गरीबों को आरक्षण देना क्या संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है? फिर चूंकि अदालत ने यह तय कर रखा है कि कुल आरक्षण 50 फीसदी से अधिक नहीं होना चाहिए, ऐसे में, आर्थिक रूप से गरीबों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण क्या 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन नहीं होगा 'बुनियादी ढांचे' के सिद्धांत और 'आरक्षण पर 50 फीसदी की सीलिंग' को संविधान की व्याख्या के न्यायिक आलोक में देखा जा सकता है। एक बार जजों ने जब जजों द्वारा बनाए गए उस कानून के अवरोध से बाहर निकलने का फैसला किया, तब आगे का रास्ता बिल्कुल स्पष्ट था। सभी पांचों सम्माननीय न्यायाधीश इस पर सहमत थे कि आर्थिक न्याय वस्तुतः सामाजिक न्याय के समान ही है, और कमजोर आर्थिक आधार पर आरक्षण का लाभ देने से संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं होता। वे इस पर भी सहमत थे कि आर्थिक आधार पर आरक्षण की नई श्रेणी बनाने से अगर 50 फीसदी आरक्षण की सीलिंग का उल्लंघन होता है, तो वह असांविधानिक नहीं है। वे सभी आर्थिक आधार पर आरक्षण देने के फैसले से सहमत हुए और इस पर भी कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण 10 फीसदी होगा। फैसले के इस अंश की आलोचना ज्यादा नहीं हुई। जिस मुद्दे ने निर्णय को विभाजित किया, वह यह था कि इस आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को शामिल किया जाएगा या नहीं। विभाजित अदालत पोषण, लालन-पालन और शुरुआती शिक्षा में कमी का मुख्य कारण गरीबी है। ये कमियां वंचित वर्ग के युवाओं की शिक्षा और रोजगार तक पहुंच को सीमित कर देती हैं या रोक देती हैं। सवाल यह है कि गरीब कौन है। 103 वें संविधान संशोधन ने यह जिम्मेदारी राज्यों पर डाल दी है कि वे 'पारिवारिक आय और आर्थिक कमियों के दूसरे संकेतकों' के आधार पर गरीबों की शिनाख्त करें। जिन दो न्यायाधीशों ने आर्थिक आधार पर आरक्षण देने का विरोध किया, उन्होंने अपनी टिप्पणी में सिन्हो कमीशन (जुलाई, 2010) का हवाला दिया है, जिसका निष्कर्ष था कि 31.7 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) हैं। इनमें से अनुसूचित जाति की आबादी 7.74 करोड़, अनुसूचित जनजाति की आबादी 4.25करोड़ और अन्य पिछड़े वर्ग की आबादी 13.86 करोड़ थी। यह कुल मिलाकर 25.85 करोड़ थी, जो बीपीएल आबादी का 81.5 फीसदी थी। तब से बीपीएल आबादी की आबादी में कोई खास बदलाव नहीं आया है। महत्वपूर्ण सवाल यह है कि अनुच्छेद 15(6) और 16(6) , जो आरक्षण की नई व्यवस्था से एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के गरीबों को बाहर कर देता है, क्या सांविधानिक रूप से सही है। इस मुद्दे पर सम्माननीय न्यायाधीशों के विचार विभाजित थे, और उन्होंने 3:2 से फैसला दिया। न्यायमूर्ति रविंद्र भट्ट की असहमत टिप्पणी बेहद प्रभावशाली थी, जिससे प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति ललित सहमत थे। उनके ये शब्द सर्वोच्च न्यायालय के अदालत कक्षों में आने वाले अनेक वर्षों तक गूंजते रहेंगे कि 'हमारा संविधान किसी को बाहर करने की भाषा में बात नहीं करता।' दिग्गज अमेरिकी न्यायमूर्ति चार्ल्स इवांस ह्यूजेस के शब्दों को उधार लेकर कहूं, तो मेरे विचार से न्यायिक असहमति वस्तुतः 'भविष्य के किसी एक दिन के लिए की गई अपील है, जब कोई न्यायिक निर्णय संभवतः मौजूदा खामी को दुरुस्त कर दे।'इस आधार पर जो निष्कर्ष बनता है, वह यह है : गरीबों के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था से आर्थिक न्याय को गति मिलेगी। लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी के गरीबों को इस आरक्षण से बाहर रखने का (जो कुल गरीबों का लगभग 81.5 फीसदी हैं) फैसला निर्धनों से भी निर्धनतम को समानता और न्याय से वंचित करेगा।

साहित्यिक उत्सवों और दलित विमर्श के बीच ख्याति पाते लेखनी के महारथी

के धर्मांतरण आंदोलन में शरीक होने वाली अनेक महिलाओं ने आत्मकथाएं लिखीं और अपने खर्च से प्रकाशित कर अपने इतिहास का दस्तावेजीकरण कराया। उनमें बड़ी संख्या उन लेखिकाओं की थी, जिन्होंने पहली बार कलम पकड़ी थी। भारतीय भाषायी लेखन में हिंदी की सृजनात्मकता पर हो रहा मंथन अभूतपूर्व है। संभवतः लंबे समय तक कोरोना महामारी के कारण दैहिक दूरियों की मजबूरियों से कलम का कर्तव्य प्रदर्शित नहीं हो पा रहा था। इसी महीने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सेमिनार में 'स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय एकीकरण में हिंदी भाषा और साहित्य की भूमिका' पर हुए विमर्श को पुराने प्रश्नों का नया जवाब कहा जा सकता है। इससे इतर हाल के महीनों में संपन्न हुए हिंदी पखवाड़ा से लेकर साहित्य अकादेमी का शिमला साहित्य उत्सव, झांसी में बुंदेलखंड लिटरेरी फेस्टिवल और इसी महीने मध्य प्रदेश में होने जा रहे 'भोपाल साहित्य उत्सव' के बीच पिछले महीने दिल्ली में संपन्न हुए 'राजेन्द्र यादव स्मृति समारोह' के तौर पर हंस का 'साहित्योत्सव' विविधता की दृष्टि से खास था। वर्ष 1986 से हंस का जब पुनः प्रकाशन शुरू हुआ, तब लगभग आधा दशक तक इसमें दलित विमर्श को जगह नहीं दी गई थी। फिर नब्बे के दशक में एकाएक ऐसा क्या हुआ था, जिससे संपादक को विविधता आकर्षित करने लगी हाशिये पर पड़े विमर्शों को केंद्र में लाने की इच्छा बलवती होने लगी देश, काल, परिस्थिति पर गौर करें, तो 20वीं सदी के अंतिम दशक में मंदिर-मंडल का मुद्दा बेहद गर्म हो रहा था। डॉ. आंबेडकर के जन्म का शताब्दी वर्ष आ गया था। बसपा के बढ़ते प्रभाव को लगाम लगाने के लिए वीपी सिंह ने मंडल कमीशन लागू कर दिया था। डॉ. आंबेडकर को मरणोपरांत 'भारत रत्न' दिया गया था। महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर डॉ. आंबेडकर के अंग्रेजी लेखन को दर्जन भर खंडों में प्रकाशित कर दिया था। हिंदी के दलित लेखकों का रचनात्मक साहित्य का दबाव बनने लगा था। वैसे में हंस के संपादक को लगा था कि साहित्य मंच पर भी दलितों का बहिष्कार रुकना चाहिए। ऐसे ही, स्त्री विमर्श में जब वंचित-दलित स्त्री के विमर्श की बात हुई, तो तथाकथित कुलीनता का आग्रह रखने वाली कुछ सुविधाभोगी लेखिकाएं विरोध में आईं। प्रश्न उठने लगा कि देश, काल, परिस्थितियां संपूर्ण साहित्यिक पत्रकारिता के लिए एक जैसी थी, तो इससे इतर पत्रिकाओं में हाशिये के लेखन को केंद्र में लाने की आवश्यकता क्यों अनुभव नहीं हुई याद रखना चाहिए कि, प्रकाशित न होने की स्थिति में लेखन मर जाता है। पठनीय न बन पाने या बहुसंख्य पाठकों तक संप्रेषित न हो पाने पर भी उसका कोई भविष्य नहीं होता। तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी उपेक्षित समाजों की स्त्रियों ने अपने रचनात्मक अस्तित्व की रक्षा के लिए काफी संघर्ष किए हैं। मराठी में डॉ. आंबेडकर के धर्मांतरण आंदोलन में शरीक होने वाली महिलाओं ने अपने अनुभव अपनी भावी पीढ़ियों को अग्रसारित करने के उद्देश्य से आत्मकथाएं लिखीं और अपने खर्च से प्रकाशित कर अपने इतिहास का दस्तावेजीकरण कराया। उनमें बड़ी संख्या उन लेखिकाओं की थी, जिन्होंने पहली बार कलम पकड़ी थी और जिनके पास लेखन की कोई विरासत व कोई संस्कार नहीं था। एक शोध के अनुसार, यह संख्या दो सौ से ढाई सौ आत्मकथाओं के बीच थी। पर उन्हीं में से बेबी कांबले की जीवन हमारा, कौशल्या बैसंत्री की दोहरा अभिशाप और उर्मिला पवार की आयदान जैसी आत्मकथाएं प्रकाश में आईं। मराठी में शांताबाई कृष्णाजी कांबले की आत्मकथा माज्या जल्माची चित्तरकथा को सर्वाधिक ख्याति मिली। बीती सदी के आठवें दशक में ही इसके अंग्रेजी, फ्रेंच और कन्नड़ अनुवाद आ गए थे। कमलेश्वर ने मुंबई दूर दर्शन पर 'कथाचक्र' के तहत इसी आत्मकथा को दिखाया था। आत्मकथा की विषयवस्तु में यथार्थपरक सत्य हो, तो अलग भाषा भी बाधा नहीं बनती। तमिल लेखिका बामा की आत्मकथा कुर्कू इसका जीवंत उदाहरण है। इस महिला ने जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ तमिल साहित्य में जोरदार आंदोलन खड़ा किया, जिसका अनुभव आत्मकथा में दर्ज किया। ऑक्सफोर्ड से अनुवाद आने के बाद गैर दलित पाठकों में भी बामा अपरिचित लेखिका नहीं रह गई थीं। अमेरिका में मेट्रो में काम कर रही आंध्र प्रदेश के अस्पृश्य वर्ग में जन्मी सुजाता गिडला की आत्मकथा अभी केवल अंग्रेजी में एण्टस एमांग एलिफेंट (हाथियों के बीच चीटियां) ही छपी है, किंतु अपने कथन की स्पष्टता और प्रामाणिकता के कारण यह चर्चा में है। रामचंद्र गुहा ने अपने 70 साल और पचास किताबें लेख में सुजाता गिडला का उल्लेख किया है। लेखिका पी शिवकामी भी दक्षिण से ही हैं और आईएएस की सेवा से त्यागपत्र देकर लेखन कार्य में लगी हैं। इन्होंने अपनी लेखन यात्रा उपन्यास लेखन से आरंभ की है। उनके लेखन से उनके विशद अध्ययन का भी पता चलता है। हिंदी के ज्यादातर आत्मकथाकारों में इसका अभाव दिखाई पड़ता है। हालांकि अच्छे प्रकाशन का संकट हिंदी लेखिकाओं ने भी झेला है। सुशीला टाकभौरे लंबे समय तक अपनी रचनाएं अपने वेतन से छपवाती रहीं और पाठकों-समीक्षकों को मुफ्त वितरित करती रही थीं। अब भी कुछ आत्मकथाएं लेखिकाओं ने अपने खर्च से प्रकाशित कराई हैं। इनमें से कुछ को तो प्रकाशक भी इतने लापरवाह मिले हैं, जिन्होंने भाषा के प्रवाह की परवाह नहीं की और प्रूफ की अशुद्धियां भी दूर नहीं की। जबकि विषय वस्तु की दृष्टि से ये आत्मकथाएं पठनीय और अनुकरणीय बन सकती थी। इसके बावजूद निराशा की कोई वजह नहीं है।

जापान का सिने-इतिहास

पचास के दशक में जापान में तेजी से एनीमेशन फिल्में बननी प्रारंभ हुईं। वहीं साठ के दशक में जापान की तीन फ़िल्मों ने दुनिया में धूम मचा दी, 'रासोमोन', 'सेवेन समुराई' तथा 'टोक्यो स्टोरी' आज भी सर्वोत्तम फ़िल्मों में गिनी जाती है। जापानी सिनेमा के बिना सिने-इतिहास की कल्पना नहीं हो सकती है। जापान के सिने-निर्देशक अकीरा कुरोसावा के बगैर सिनेमा की बात ही असंभव है। धीमी गति से चलने वाले जापानी सिनेमा ने एशियाई सिनेमा को खूब प्रभावित किया है। विश्व सिनेमा पर भी इसका प्रभाव रहा है। कई अमेरिकी निर्देशक भी अकीरा कुरोसावा से प्रभावित रहे हैं।शुरू से जापान में कई तरह का सिनेमा बनता रहा है। यहां के सिनेमा को एनीमेशन (एनीमे), समुराई और तलवारबाजी या पीरियड (जिदाइगेकी), दानव जैसे गोजिला, इंग्लिश में गोड्ज़िला (कैजु) तथा पोर्नोग्राफ़ी (पिंक) फ़िल्म में बांटा जा सकता है। साथ ही वहां 'द रिंग', 'बैटल रॉयल' जैसी हॉरर फ़िल्में भी बनती रही हैं। वहां की सॉफ्ट पोर्न फिल्में बेहूदी एवं अश्लील न होकर कलात्मक तथा सामाजिक होती हैं। इन श्रेणियों के अलावा जापान में लुटेरों पर भी फ़िल्में बनी हैं जिन्हें 'याकुज़ा' कहा जाता है।जापान का सिने-इतिहास देखें तो वहां हमें सबसे पहले 1899 में बनी मूक डॉक्यूमेंट्री 'गेइशा नो तेओडोरी' प्राप्त होती है। जापान का पहला सिने-अभिनेता मैत्सुनोसुकी ओने काबुकी के मंच से आया था और उसने 1909-1926 के बीच करीब 1000 शॉर्ट फ़िल्मों में काम किया। उसने अधिकतर निर्देशक शोज़ो मैंकीनो के साथ काम किया और पीरियड फिल्में बनाई।इस काल की बनी फ़िल्म 'द लाइफ़ ऑफ़ ओहारु' की चर्चा आज भी होती है। इन मूक फ़िल्मों के प्रदर्शन के समय थियेटर में एक कथावाचक होता था, जो नाटकीय तरीके से कहानी पढ़ता जाता और संग में संगीत चलता रहता था। 1923 के भूकंप, द्वितीय विश्वयुद्ध में बम वर्षा तथा जापान के नम मौसम के कारण इस काल की फ़िल्में अब उपलब्ध नहीं हैं।1931 में बनी पहली सवाक फिल्म अभी भी मूक फ़िल्में बन रही थीं लेकिन हेइनोसुके गोशो की 1931 में बनी फ़िल्म 'द नेबर'स वाइफ़ एंड माइन' जापान की पहली सवाक फिल्म थी। 'सिस्टर्स ऑफ़ द जिओन', 'ओसाका एलगी', 'द स्टोरी ऑफ़ द लेट क्रिसन्तमम', 'ह्युमेनिटी एंड पेपर बैलून' इस काल की प्रमुख फ़िल्में हैं। 'ह्युमेनिटी एंड पेपर बैलून' के निर्देशक सडाओ यामानाका इस काल के प्रमुख निर्देशक माने जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना में पीएम मोदी का विपक्ष पर करारा हमला, बोले- गाली देने वालों को लेने के देने पड़ जाएंगे

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शनिवार को तेलंगाना के बेगमपेट के रामागुंडम में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड संयंत्र राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। बता दें कि तेलंगाना से पहले उन्होंने आंध्र प्रदेश में हजारों करोड़ों रुपये की कई परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम ने यहां लोगों को संबोधित भी किया। मोदी ने कहा 'मुझे अफसोस है कि तेलंगाना के नाम पर जो लोग फले-फूले, आगे बढ़े, सत्ता पाई, वह खुद तो आगे बढ़ गए, लेकिन तेलंगाना को पीछे ढकेल दिया। तेलंगाना का जो सामर्थ्य है, तेलंगाना के लोगों की जो प्रतिभा है, उसके साथ यहां की सरकार और नेता लगातार नाइंसाफी करते रहते हैं।'मोदी ने कहा कि यह शहर सूचना और

प्रौद्योगिकी का किला है। जब मैं यह देखता हूं कि आधुनिक शहर में अंधविश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा है तो बहुत दुख होता है। ऐसा लगता है कि यहां कि सरकार ने अंधविश्वास को समर्थन दिया हुआ है। यहां तेलंगाना में अंधविश्वास के नाम पर क्या-क्या हो रहा है, यह देश के लोगों को जानना चाहिए। अगर तेलंगाना का विकास करना है, उसे पिछड़े पनसे निकालना है, तो उसे सबसे पहले यहां के हर तरह के अंधविश्वास को दूर करना होगा।

दिल्ली के गाजीपुर में कूड़े का पहाड़ बना भाजपा और आप के बीच राजनीति का अखाड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दिल्ली के गाजीपुर में बने कूड़े के पहाड़ के किनारे की दीवार बीते दिनों कूड़े के दबाव के चलते ढह गई। इसके बाद तुरंत वहां नेताओं के आने और आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला आरंभ हो गया। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी वहां पहुंचे और इसका ठीकरा उन्होंने भाजपा पर यह कहते हुए फोड़ा कि निगम और केंद्र में काबिज भाजपा आज तक इस मसले का हल करने में नाकाम रही है। वहीं भाजपा के दिल्ली और केंद्र स्तर के नेता दिल्ली सरकार पर यह आरोप लगाते नहीं थक रहे कि पिछले लगभग आठ वर्षों से दिल्ली की सत्ता पर काबिज होने के बावजूद अब उन्हें कूड़े के इन पहाड़ों की सुध आई है। दरअसल दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी हाल ही में यहां आकर कूड़े की इस समस्या से दिल्ली वालों को निजात दिलाने में नाकाम रहने का ठीकरा भाजपा पर फोडो.थो।

15 नवम्बर को लागू होगा पेसा एक्ट- मुख्यमंत्री

महामहिम राष्ट्रपति का जनजातीय परंपराओं के अनुसार किया जाएगा स्वागत मुख्यमंत्री ने दी पत्रकारों को जनजातीय गौरव दिवस की तैयारियों की जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

शहडोल। व्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता कि रिपोर्ट शहडोल 13 नवम्बर 2022- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान ने कहा है कि हम सभी के लिए हर्ष का विषय है कि 15 नवम्बर 2022 को भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू शहडोल के लालपुर आ रही हैं यह सभी के लिए गौरव की बात है, हम सभी मिलकर महामहिम राष्ट्रपति का स्वागत जनजातीय परंपराओं के अनुसार करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिवस पर मध्यप्रदेश में सामाजिक समरसता लाने के उददेश्य से पेसा एक्ट लागू होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज शहडोल जिले के लालपुर में राज्य स्तरीय जनजातीय

गौरव उत्सव के तैयारियों के संबंध में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी मिलकर सामाजिक समरसता का परिचय देते हुए महामहिम राष्ट्रपति का ऐसा ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण स्वागत करें कि जो उन्हें हमेशा स्मरण रहें। मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों से भी इस कार्यक्रम में सहर्ष सहभागिता निभाने की अपील की।

तमिलनाडु में सर्वदलीय बैठक में संविधान संशोधन को नकारा गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित सर्वदलीय बैठक में कहा गया कि सभी दल ईडब्ल्यूएस को 10 प्रतिशत कोटा

आवंटित करने के लिए संविधान में किए गए 103वें संशोधन को अस्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक गरीबों में जाति वैमनस्य पैदा करता है। भाजपा ने किया विरोध इस बैठक का प्रमुख विपक्षी दल अन्नाद्रमुक और उसकी सहयोगी भाजपा ने विरोध किया। साथ ही कहा कि जब पुनर्विचार याचिका दायर की जाए तो राज्य सरकार अपना पक्ष इसमें शामिल करे। वहीं प्रमुख पार्टी द्रमुक ने बैठक के बाद कहा कि वह सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ की ओर ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 10 फीसदी आरक्षण को बरकरार रखने के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेंगे।अपना पक्ष अदालत में पूरी क्षमता के साथ रखे सरकार पार्टी के प्रतिनिधियों ने कहा कि जब इस मुद्दे को लेकर पुनर्विचार याचिका दायर की जाए तो हमारी तमिलनाडु सरकार से अपील है कि वह अपना पक्ष अदालत में पूरी क्षमता के साथ रखे। सभी दलों ने जताया समर्थन बैठक के बाद उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुदि ने कहा कि जिन दलों ने बैठक में भाग लिया, उन्होंने इस मुद्दे पर अपना समर्थन जताया है। इसमें द्रमुक के सहयोगी, कांग्रेस, वामदल, वीसीके आदि शामिल हुए थे। उन्होंने इस बैठक में अन्नाद्रमुक के शामिल न होने पर भी सवाल उठाया।बता दें कि यह बैठक सुप्रीम कोर्ट की ओर से आठ नवंबर को आए फैसले पर आगे उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी।

भारतीय शिक्षण मंडल युवा आयाम एवं रिसर्च फॉर रिसर्जन्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे युवा शोधवीर समागम -2022 का समापन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। गलगोटिया विश्व विद्यालय ग्रेटर नोएडा में किया गया। इस तीन दिवसीय समागम में देश भर

के 450 शोधवीरों ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र और संकाय गतिशीलता, अनुसन्धान और शिक्षण में अंतराष्ट्रीय सहयोग और विदेशों में भारतीय उच्च शिक्षा को बढ़ावा देना जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। आज अंतिम दिन भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानितकर ने भारतीय संस्कृति और राष्ट्र भक्ति पर प्रकाश डालते हुए देश के युवाओं को संबोधित किया। विजयी प्रतिभागियों में भागलपुर बिहार के मिथलेश राज को स्वाधीनता के अज्ञात वीर नमक विषय के लिए प्रथम पुरूस्कार के रूप में एक लाख रूपये की नगद राशि प्रदान की गई। उत्तराखंड चमोली के कर्ण प्रयाग की आभा नेगी को उनके विषय भारतीय स्वाधीनता के अज्ञात वीर के लिए द्वितीय पुरुस्कार के रूप में 75 हजार रूपये की नगद राशि और तृतिया पुरूस्कार के रूप में 50 हजार रूपये की नगद राशि हैदराबाद (तेलंगाना) के साईचरण को दी गई। इन सभी विजेताओं को गलगोटिया विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुनील गलगोटिया, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ध्रुव गलगोटिया और भारतीय शिक्षण मंडल के पदाधिकारियों ने नगद राशि और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री विष्णु महायज्ञ' का चौथा दिन भक्तों के विशेष प्रेम के कारण अवतरित होते हैं भगवान - परमपूज्य चिन्मयानंद बापू

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। महर्षि आश्रम, सेक्टर-110 स्थित रामलीला मैदान में ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी की दिव्य प्रेरणा से राष्ट्र की समृद्धि, शांति और विकास के लिए 'श्री विष्णु महायज्ञ' के साथ परमपूज्य चिन्मयानंद बापू जी के श्रीमुख से

चतुर्थ दिवस कथा का रसपान करते हुए श्रद्धालु पुण्य के भागीदार बनें । रामलीला मैदान, महर्षि आश्रम, महर्षि नगर, नोएडा में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन परम पूज्य संत श्री चिन्मयानंद बापू जी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा में चतुर्थ स्कंध में ध्रुव जी महाराज का चरित्र कथा सुनाते हुए कहा कि - ध्रुव जी ने मात्र छः वर्ष की आयु में भगवान को पा लिया । मानो भागवत कथा हमें यह सिखाती है, कि यदि हमें ईश्वर को पाना है, तो उसमें उम्र का महत्व नहीं होता है । बल्कि भाव और आपके प्रेम का महत्व होता है । यदि आपने सच्चे मन से ईश्वर को याद किया । आप का भाव और मन पवित्र है, तो भगवान भी मिलने में देर नहीं लगाते हैं, तत्क्षण भगवान आपको अपनी शरण में ले लेते हैं । ध्रुव जी महाराज की चरित्र से एक शिक्षा हमें यह भी मिलती है कि हम भी अपने बच्चों को बालपन से ही संस्कारित करें । ईश्वर की कथाओं से जोड़े और ईश्वर से प्रेम करना सिखाए । बापूजी ने कहा कि जिस प्रकार दूध में दही छिपा रहता है, सिर्फ उसको प्रकट करना होता है, उसी तरह भगवान पूरे संसार में व्याप्त हैं, भक्तों के प्रेम मात्र से उनको प्रकट किया जाता है । जब मां देवकी और वासुदेव जी जैसा प्रेम आपके अंदर होता है, तो ईश्वर को बुलाना नहीं पड़ता, वे स्वयं अवतरित हो जाते हैं । आगे बापूजी ने कहा कि पंचम स्कंध में जड़ भरत की कथा से हमें यह शिक्षा मिलती है कि एक भूल के कारण जड़ भरत जी को तीन जनम तक उन्हें भटकना पड़ा । लेकिन परमात्मा के श्री चरणों में उनका प्रेम बना रहा । जिसके कारण तीन जनम के पश्चात वह मुक्त हो गए । बाद में वामन भगवान और राम अवतार की कथा सुनाते हुए श्री कृष्ण जन्मोत्सव धूम-धाम से मनाया गया । कथा परिसर श्रोताओं की भारी भीड़ के साथ पूरा भरा हुआ था और श्रोताओं का अपार प्रेम कथा के प्रति देखने को मिला । कल कथा के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं की कथा का रस-पान कराया जाएगा । इस अवसर पर जगत गुरु शंकराचार्य ज्योतिषपीठाधीश्वर स्वामी श्री वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज एवं ट्रस्टी, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या का सम्मान श्री विष्णु महा यज्ञ, आयोजन समिति और कथा परिसर में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं द्वारा किया गया। इस पावन और पवित्र कार्यक्रम श्री विष्णु महायज्ञ और श्रीमद्भागवत कथा के प्रणेता ए के लाल मीडिया कोऑर्डिनेटर बताया अजय प्रकाश श्रीवास्तव अध्यक्ष महर्षि महेश योगी संस्थान, एवं कुलधिपति, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी, राहुल भारद्वाज- उपाध्यक्ष, महर्षि महेश योगी संस्थान श्रीमती अदिति दीदी, पंकज शर्मा - सह संरक्षक, आयोजन समिति, राजीव अरोड़ा, अशोक जी, वीरेंद्र मिश्र (वरिष्ठ पत्रकार), वेद प्रकाश शर्मा, आचार्य विपिन जी, आचार्य जगन्नाथ मिश्र (ज्योतिषाचार्य), रमाशंकर लाल श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, शिवम यादव (न्यूज़ एंकर), शम्भू शरण गुप्ता, राम बाबू मालवीय (ज्योतिषाचार्य), रवि प्रधान, धीरेन्द्र श्रीवास्तव, राजेश मिश्रा, पं. सतीश भट्ट (यज्ञाचार्य) गिरीश अग्निहोत्री, रामेन्द्र सचान- संयोजक, आयोजन समिति, एवं महर्षि परिवार के सैकड़ों श्रद्धालु और क्षेत्रवासियों ने कथा का श्रवण कर लाभ प्राप्त करते हुए भाव-विभोर हुए।

दक्षिण में बढ़ते विरोध के दबाव में गरीबों के आरक्षण कोटे पर रूख बदलने को तैयार कांग्रेस

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस) को 10 फीसद आरक्षण देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन करने के बाद कांग्रेस अब इसकी समीक्षा करते हुए अपने रुख पर पुनर्विचार कर रही है। दक्षिण भारतीय

राज्यों में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ बढ़ते राजनीतिक विरोध के बाद कांग्रेस में यह बदलाव आया है। कांग्रेस के संचार महासचिव जयराम रमेश का यह बयान इसका संकेत है जिसमें उन्होंने कहा है कि बेशक पार्टी सभी वर्गों के गरीबों को 10 फीसद आरक्षण के पक्ष में है, मगर सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों ने अपने फैसले में अलग-अलग अनेक मुद्दे उठाए हैं जिनका पार्टी विस्तार से अध्ययन कर रही है। वहीं संकेत यह भी है कि राजनीतिक समीक्षा के बाद गरीबों के आरक्षण कोटे पर अपने रुख में तब्दीली के लिए कांग्रेस कानूनी विकल्प के तौर पर पुनर्विचार याचिका का सहारा लेने पर भी गौर कर रही है। हालांकि पार्टी ने संसद में इस विधेयक का समर्थन किया था। पार्टी के जानकार सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दक्षिणी राज्यों में बढ़े विवाद के मद्देनजर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा शुरू कर दी है। पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं और वकील पी चिदंबरम और अभिषेक मनु सिंघवी से सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जुड़े कानूनी जटिलताओं पर खरगे ने शुक्रवार को लंबी चर्चा की। इन दोनों नेताओं को पार्टी के कानूनी विकल्प की राह सुझाने का जिम्मा सौंपा गया है। गरीबों के आरक्षण से जुड़े निर्णय के राजनीतिक और कानूनी पहलुओं का आकलन करने के बाद कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर पुनर्विचार याचिका दायर करने के विकल्प पर अंतिम फैसला लेगी। पुनर्विचार याचिका के विकल्प से इन्कार नहीं करने का साफ संकेत देते हुए पार्टी के जानकार सूत्रों ने साफ कहा कि कांग्रेस के लिए दक्षिण के राज्य भी सियासी रूप से अहम हैं और हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले की राजनीतिक समीक्षा कर रहे हैं और इसके कानूनी परिणाम सामने आ सकते हैं।

श्री सीताराम विवाह धूमधाम से मनाया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। ठतुलसी सहचरी मिथिला धामठ कार्तिक कुंज अपार्टमेंट, नोएडा मे दिव्य श्री सीताराम विवाहोत्सव के उपलक्ष्य में सुबह श्रीराम जी की बारात निकाली गई व जगह जगह परिक्रमा मार्ग मे श्रीराम जी की बारात का भव्य स्वागत किया गया व सेक्टर 44 में परिक्रमा के पश्चात् वापस तुलसी सहचरी मिथिलाधाम कार्तिक-

कुंज पहुंची संग मधुर स्वर गुंजन :- सिया सहचरी तुलसी दीदी श्री सीताराम विवाह महोत्सव शाम 4 बजे से 10 बजे तक स्थान नोएडा सैक्टर 44 कार्तिक कुंज के बंगल में बारात घर मे दिव्य श्री सीताराम विवाह महोत्सव का रसोपान श्रद्धालु व श्रीजनो ने इस उत्सव में पधारकर अपना जीवन धन्य किया ।जीवन में ऐसा अवसर बार- बार नही मिलता। यह सब सदुरुकृपा, सन्त समाज से ही संभव होता है । मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी जो कि हमारी भारतीय संस्कृति में विवाह पंचमी के नाम से जानी जाती है इस पुण्यतिथि को भगवान श्री राम का माता जानकी जी के साथ आज से बहुत लाखों वर्ष पूर्व त्रेता युग में पाणिग्रहण संपन्न हुआ था और इस परंपरा को हमारे आचार्यों और हमारे संतो ने जैसा कि श्री रामचरितमानस जी के अयोध्या कांड में गोस्वामी तुलसीदास जी ने बहुत ही सुंदर इस विवाह का वर्णन भी किया है और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पूज्या श्री तुलसी दीदी जी के द्वारा सेक्टर 44 बारात घर में सनातन धर्मानुसार रीति-रिवाजों के साथ सम्पूर्ण लीला रूप से भव्य आयोजन किया गया अयोध्या से संतों का आगमन - श्री रामबल्लभाकुंज पीठाधीश्वर पूज्य श्री राम शंकर दास 'वेदांती' जी महाराज, परम पूज्य जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री राघवाचार्य जी महाराज एवं परम पूज्य श्री स्वामी शरण जी महाराज.. युवराज पूज्य राम रोशन दासजी(जानकी महल जनकपुर धाम), श्रद्धेय भैया श्री पुनीत जी (भक्तमाली), पूज्य बब्बू भैया, पूज्य वरुणेश मैया, पूज्य नरेश भैया आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रेरणा विमर्श कार्यक्रम का समापन समारोह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। भविष्य का भारत, प्रेरणा विमर्श -2022 का समापन समारोह समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे नंद कुमार ने कहा कि भविष्य के भारत का निर्माण भारत के स्वत्व और भारतीयता के आधार पर ही होगा। उन्होने कहा कि सिनेमा कला के साथ साथ माध्यम भी है। यह केवल मोद के लिए ही नहीं अपितु बोध के लिए भी है। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र का उत्थान उसकी संस्कृति परंपरा और स्वत्व के आधार पर ही होता है। साम्यवाद और पूंजीबाद की असफलता ने विश्व को यह बता दिया है कि किसी एक वैश्विक सिद्धान्त के आधार पर सार्वभौमिक विकास नहीं किया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा लोकतंत्र की रक्षा आंतरिक सुरक्षा और समाज में जन जागृति का महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व मीडिया का होता है। भारत सरकार के डिजिटल क्रांति से नव भारत निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इस अवसर पर सुदर्शन टीवी के प्रधान संपादक सुरेश च्वहाण के ने कहा कि आज का युग इन्फॉरमेशन वार का युग है। आने वाला युग सूचनाओं के आधार पर ही लड़ा जायेगा। इस युग हिन्दू राष्ट्रवादी लोगों का सक्रिय रहना अनिवार्य है। भारतीय चित्र साधना के सचिव अतुल गंगवार ने कहा नवोदित फिल्मकारों को भारत के

स्वत्व को काम करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर विमर्श में आयोजित लघु फिल्मोत्सव के प्रतिभागियों एवं नवोदित पत्रकारों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केशव संवाद पत्रिका के अंक भविष्य के भारत का विमोचन भी किया गया। इस दौरान अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समापन समारोह से पूर्व आज फिल्म विमर्श और मास्टर क्लास का सत्र भी था। प्रथम सत्र में फिल्म विमर्श एवं मास्टर क्लास में फिल्म जगत की जानी मानी हस्तियों ने भाग लिया और नवोदित फिल्मकारों को कामयाबी के कई टिप्स दिए। प्रख्यात भरतनाट्यम कलाकार श्रीमती राजभर ने एक भजन प्रस्तुत किया और भजन के पात्रों को नृत्य मुद्राओं के द्वारा प्रदर्शित किया। चित्र भारतीय चित्र साधना के राष्ट्रिय सचीव अतुल गंगवार ने कहा, सिनेमा भारतीय जीवन का अभिन्न अंग है। जैसे-जैसे समय और समाज बदला वैसे वैसे फिल्मों का दौर भी बदलता गया। यह सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं रहा बल्कि लोगों को जगाने और आदर्श को प्रस्तुत करने के लिए भी फिल्में बनाई जाती है। सिनेमा में समाज को बदलने की ताकत है। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रसिद्ध स्क्रीप्ट लेखक मधुकर पांडेय ने कहा कि स्क्रीप्ट के हिसाब से रामचरित मानस सबसे बड़ी स्क्रीप्ट है। उसमें मानव जीवन के सभी भावों और सम्बधों का बड़े रोचक रूप में उल्लेख किया गया है। एक स्क्रीप्ट लेखक को रामचरित मानसे से अवश्य सीखना चाहिए। इस दौरान उन्होंने स्क्रीप्ट लेखन के विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। फिल्म निर्देशक नारायण सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फिल्मों के बजट के बारे में बताया और कहा कि बड़े बजट की फिल्मों से घबराने की जरूरत नहीं है। फिल्में छोटे बजट में भी बन सकती है। फिल्मों के लिए हमेशा बड़े और महंगे स्टार की जरूरत नहीं है। इस दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए फिल्म निर्देशक और अभिनेता रतन सिंह राठौर ने कहा कि फिल्म बनाने से पहले आप स्वयं पढिए, तभी आप फिल्म के क्षेत्र में सफल होंगे। इस दौरान उन्होंने एक कामयाब अभिनेता के कई गुण बताए।

भागवत की कथा जीवन की मुक्ति के लिए नहीं अपितु जीवन जीने की युक्ति के लिए है- आचार्य देव व्रत जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। वर्तमान समय मे मानव भ्रमित है,वह यह नहीं समझ पा

रहा है कि मानव जीवन का अर्थ क्या है , भगवान ने हमें इस परोपकारी व आत्मशुद्धि शरीर को क्यों दिया उक्त विचार श्रीमद् भागवत कथा के मर्मज्ञ प्रख्यात कथाकार बाल शुक आचार्य देवव्रत महाराज जी ने जनपद के कुंडा तहसील में पंडित राजाराम पांडेय के घर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के पंचम दिवस पर व्यक्त किया । पूज्य आचार्य जी ने कहा कि परीक्षित को तो भगवान का दर्शन गर्भ में ही हो चुका था ,व उसी क्षण मोक्ष को प्रप्त हो चुके थे लेकिन जगत में सप्ताह ज्ञान ज्ञय तो व्यक्ति को जीने की युक्ति भी बताती है लेकिन आज का मानव कथा तो सुनता है उसे क्षणिक वैराग्य का भी अनुभव होता है लेकिन सांसारिक माया अज्ञान के कारण वहपुनः भ्रमित हो कर माया के जाल में फंसे कर कोल्हू का बैल बन कर रह जाता है । वह दया ,धर्म ,शौच त्याग आदि से बहुत दूर हो चुका है ।शास्त्र वेद पुराण सभी मानव को मानव बनने का उपदेश देते हैं जिसमें अपनी सभ्यता , संस्कृति व संस्कार को सुरक्षित रखते हूं परमात्मा का सानिध्य प्राप्त करना होता है । यह सानिध्य तभी सम्भव है जब योग्य गुरू शास्त्रानुकूल आपको जीने की कला की शिक्षा दे । जीवन में यदि परमात्मा से दूरी बन गयी तो जीने व जीवन का कोई महत्व नहीं रह जाता हमें सर्वप्रथम सत्संग की ओर ध्यान देना होगा ,विद्वानों द्वारा गायी जा रही कथा का श्रवण , मनन व धारण पर अपना ध्यान भी केंद्रित करना होगा । समर्पण व भक्ति के माध्यम से अपने इष्ट को पाने का प्रयास होना चाहिए । गोपियां इसी प्रेम भक्ति की प्रतीक हैं जिसके बल पर वे कान्हा से कभी अलग नहीं हुई भगवान कृष्ण द्वारा की गयी सभी लीलाएं हमें यही शिक्षा देती हैं ।

शाह रुख खान पर नहीं लगा 6.83 लाख का जुर्माना कस्टम अधिकारी ने किया बड़ा खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। शाह रुख खान, उनकी मैनेजर पूजा ददलानी और उनके बॉडीगार्ड रवि सिंह शारजाहं बुक फेयर में भाग लेने के बाद शनिवार

तड़के संयुक्त अरब अमीरात से मुंबई लौटे। इसके बाद खबर आई कि शाह रुख खान को उनकी टीम के साथ कस्टम अधिकारियों ने रोक दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया कि उन्हें हवाई अड्डे पर 6.83 लाख रुपये के कस्टम ड्यूटी का भुगतान करने के लिए कहा गया था क्योंकि उनकी टीम लगभग 18 लाख रुपये की महंगी घड़ियां ले जा रही थी, जो उन्होंने यूएई से खरीदी थी। इस खबर की सच्चाई सामने आई है। अब, कस्टम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने खुलासा किया है कि स्टार और उनकी टीम को फाइन नहीं किया गया था और केवल बेसिक औपचारिकताएं पूरी की गई थीं। अधिकारी ने ई-टाइम्स को बताया कि, 'शाह रुख खान और उनकी टीम को उनके साथ लाए जा रहे सामानों के लिए ड्यूटी का भुगतान करने के लिए कहा गया था। जैसा कि मीडिया द्वारा बताया जा रहा है, कोई जुर्माना देने के लिए नहीं कहा गया था। इस केस में सोशल मीडिया पर जो कुछ भी कहा जा रहा है वह एक है वो सब झूठ है।' यह बताते हुए कि शाह रुख के भरोसेमंद बॉडीगार्ड रवि सिंह को प्राइवेट जीए टर्मिनल से टी 2 टर्मिनल तक क्यों ले जाया गया, अधिकारी ने कहा, 'जब भी ड्यूटी या किसी अन्य शुल्क के भुगतान का मामला होता है तो जीए टर्मिनल से यात्रियों को टी 2 तक ले जाया जाता है, क्योंकि यह वह जगह है जहां ऐसे मामलों में यात्रियों के लिए सुविधाएं हैं अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि शाह रुख की टीम केवल एक एप्पल घड़ी और घड़ी वाइन्डर केस (लक्जरी घड़ियों के लिए उपयोग किए जाने वाले स्पेशल केस) ले जा रही थी, न कि महंगी घड़ियां जैसा कि शुरू में बताया गया था। शाह रुख को शारजाह में मिले गिफ्ट्स की कीमत 17.86 लाख रुपये आंकी गई थी

इंतजार खत्म,रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट का एलान, अब इस दिन रिलीज होगी आलिया-रणवीर की फिल्म

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट का एलान हो चुका हैं। ये फैमिली एंटरटेनर फिल्म अगले साल अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज डेट का एलान करण जौहर ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर दी है। अप्रैल में रिलीज होगी आलिया-रणवीर की फिल्म रॉकी और रानी की नई रिलीज डेट के बारे में बताते हुए अभिनेता ने एक पोस्ट साझा की है, जिसमें वो बता रहे हैं कि वो 7 सालों बाद अपनी इस वापसी को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 7 सालों बाद, मेरे लिए ये अपने पहले घर सिनेमाघरों में लौटने का वक्त आ गया है। मुझे अपनी सातवीं फिल्म के सेट पर नहीं, बल्कि कई नामी कलाकारों के साथ काम करने का

सम्मान मिला। इस फिल्म की कहानी हमारी पारिवारिक परंपराओं की गहरी जड़ों तक जाती है और इसका संगीत लोगों के दिलों को छू लेगा।नोट में आगे लिखा है, ये वक्त फिर से अपने परिवार के साथ घूमने, बड़े पर्दे पर प्यार, मनोरंजन देखने का है। हम रॉकी और रानी की रिलीज डेट का एलान करते हुए काफी उत्साहित हैं। ये फिल्म अगले साल 28 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आपको बता दें कि करण जौहर के निर्देशन में बनी ये फिल्म पहले वैलेंटाइन वीक यानी 10 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कई कारणों के चलते मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट को पोसपोन कर दिया। अब एक बार फिर अपनी फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान किया है। ऐसी होगी फिल्म की कहानी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया भट्ट के साथ अभिनेता रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म में रणवीर सिंह एक अमीर लड़के का रोल प्ले कर रहे हैं, जबकि आलिया मध्यवर्गीय परिवार की लड़की का किरदार निभा रही हैं और दोनों को मुलाकात के बाद प्यार हो जाता है। लेकिन इस रिश्ते से उनके माता-पिता काफी नाखुश होते हैं। इस फिल्म की कहानी एक कपल के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देगी। जानकारी के अनुसार, इस फिल्म का एलान पिछले साल करण जौहर ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर दी थी। फिल्म को इशिता मोइत्रा, शशांक खेतान और सुमित रॉय ने लिखा है। फिल्म मे रणवीर सिंह रॉकी और आलिया भट्ट रानी के लीड किरदार में नजर आने वाले हैं। रणवीर और आलिया के अलावा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आज़मी भी अहम किरदार में प्ले करती नजर आएगी।

दिग्गज फिल्मकार राकेश कुमार का निधन, रविवार को होगी प्रार्थना सभा

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म लेखक और निर्माता राकेश कुमार 10 नवंबर गुरुवार को 81

वर्ष की आयु में निधन हो गया था। बताया जा रहा है कि दिग्गज फिल्मकार लंबे वक्त से कैंसर जैसी घातक बीमारी से जूझ रहे थे। इंडिया टुडे की खबर के अनुसार, राकेश कुमार का निधन बीते शुक्रवार को हुआ था। अब उनके परिवार ने रविवार 13 नवंबर को शाम 4 से 5 बजे तक उनकी याद में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार इस सभा का आयोजन सेलिब्रेशन स्पोर्ट्स क्लब, गार्डन नंबर 5 में किया जाएगा, जहां लोग उन्हें याद कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। आपको बता दें कि राकेश कुमार ने हिंदी सिनेमा जगह में कई यादगार फिल्में में एक्टिंग के साथ उन्हें प्रोड्यूस भी किया है। इस लिस्ट में खून पसीना, मिस्टर नटवरलाल, दो और दो पांच, जॉनी आई लव यू, कौन जीता कौन हारा, याराना, दिल तुझको दिया, कमांडर और अमिताभ बच्चन की सूर्यवंशी जैसी बड़ी फिल्में शामिल हैं।

रणवीर शौरी ने ट्विटर को लेकर दी एलन मस्क को सलाह- मुझसे सीखें चलाना, पढ़ें पूरी खबर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता रणवीर शौरी ने एलन मस्क पर चुटकी ली है। उन्होंने कहा कि एलन को उनसे सीखना चाहिए कि ट्विटर को कैसे चलाया जाता है। वह ऐसा पिछले

एक दशक से लगभग प्रतिदिन करते आ रहे हैं। रणवीर शौरी ने इस ट्वीट में एलन मस्क को टैग भी किया है रणवीर शौरी ने ऐसा ट्वीट मजाक में किया है। उन्होंने इस ट्वीट में एलन मस्क को टैग भी किया है। एलन मस्क ने जब से ट्विटर खरीदा है, तब से यह उतार-चढ़ाव से जूझ रहा है। ट्विटर ब्लू सर्विस का इंट्रोडक्शन और फिर से वापस लिया जाना, कई लोगों को रास नहीं आया। वहीं ट्विटर के कई कर्मचारियों को भी कंपनी से निकाल दिया गया है। इससे कंपनी की छवि भी धूमिल हुई है। अब शनिवार को फिल्म अभिनेता रणवीर शौरी ने विश्व के सबसे अमीर आदमी को कुछ सलाह दी है।रणवीर शौरी ने ट्विटर पर एलन मस्क को टैग करते हुए लिखा है, 'मैंने 2 दिन का ब्रेक लिया और ट्विटर बिगड़ने लगा। एलन मस्क को मुझसे सलाह लेनी चाहिए। मैं इसे एक दशक से ज्यादा समय से प्रतिदिन चला रहा हूं।' इसके साथ उन्होंने आंख मारने वाली इमोजी भी शेयर की है। ऐसा लगता है रणवीर शौरी ने ट्विटर को लेकर जो हाल-फिलहाल में ड्रामा हुआ है। उस पर प्रतिक्रिया दी है। गौरतलब है कि ट्विटर की नई नीति के अनुसार कई कॉर्पोरेट या अकाउंट को ब्लू टिक के लिए पैसे देने पड़ सकते हैं। रणवीर शौरी ट्विटर पर लगातार सक्रिय हैं। वह इस प्लेटफार्म को पिछले कई वर्षों से यूज कर रहे हैं। वह अपने फैंस से बातचीत करते हैं। वहीं कई विषयों पर अपना मत भी रखते हैं। रणवीर शौरी को पिछली बार रजत कपूर की फिल्म आरके/आरके में देखा गया था।

अक्षय कुमार ने भारत की नागरिकता पर दिया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार दिल्ली में एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। इस अवसर पर उनसे उनकी नागरिकता से जुड़े प्रश्न

पूछे गए। इस पर उन्होंने कहा है कि उन्होंने भारतीय नागरिकता के लिए सन 2019 में आवेदन दे दिया था। हालांकि इसी बीच कोविड-19 आ गया और यह अभी तक मामला पेंडिंग है लेकिन सबसे अच्छी बात यह है कि अभी यह प्रक्रिया में है और जल्द ही उन्हें भारत की नागरिकता मिल जाएगी। अक्षय कुमार ने कहा था कि वह भारत की नागरिकता ले लेंगे गौरतलब है कि अभिनेता अक्षय कुमार इसके पहले भी कह चुके हैं कि बतौर कैनेडियन कुमार कहे जाने पर उन्हें बुरा लगता रहा है और अब इस नाम से पीछा छुड़ाने का पूरा मन बना चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर अक्षय कुमार कहते हैं, 'जी हां, मुझे पता था कि आप इस बारे में पूछेंगी।' मैं इसके अतीत में नहीं जाऊंगा कि क्या-क्या हुआ। जी हां, मैंने 2019 में कहा था कि मैं भारत की नागरिकता ले लूंगा। मैंने इसके लिए आवेदन दे दिया है। इसके बाद कोरोना आ गया। दो ढाई साल सब कुछ बंद रहा। मुझे आशा है कि जल्द ही मेरा भारत का पासपोर्ट मुझे मिल जाएगा।'गौरतलब है कि अक्षय कुमार को कैनेडियन कुमार कहकर कई बार ट्रोल भी किया जाता है। हालांकि अब उन्हें जल्द ही भारतीय पासपोर्ट और नागरिकता मिल जाएगी। अक्षय कुमार जल्द कई फिल्मों में नजर आनेवाले है। अक्षय कुमार की हाल ही में फिल्म रामसेतु आई थी। इस फिल्म में उनके अलावा नुशरत भरुचा और जैकलीन फर्नांडिस की अहम भूमिका थी। इस फिल्म को अच्छे रिव्यु मिले थे। वहीं फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक ठाक व्यापार किया था।

भोजपुरी एक्ट्रेस ने क्रॉप टॉप और शॉर्ट्स पहन कराया बोल्ड फोटोशूट, फैंस भरने लगे आहें

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपनी 9 तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इसमें उन्हें ब्लैक कलर की ब्रालेट और ब्लू कलर की शॉर्ट्स पहनकर बोल्ड पोज देते हुए देखा जा सकता है। फोटोज शेयर करते हुए मोनालिसा ने लिखा है, 'आप मेरी चमक को कम नहीं कर सकते।' इसके साथ उन्होंने इसे कई लोगों को टैग भी किया है। मोनालिसा की तस्वीरों को 2 घंटे में 34000 से ज्यादा

लाइक्स मिले हैं एक्ट्रेस मोनालिसा की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो गई है। इसे 2 घंटे में 34000 से ज्यादा लाइक्स मिले हैं। वहीं तस्वीरों पर 700 से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। कई लोगों ने तस्वीरों पर फायर, ब्यूटीफुल, नाइस, प्रीटी, लव यू मेरी जान, मेरे सपनों की रानी, सुंदरी, खूब सुंदर, जैसे कमेंट किए हैं। वहीं कई लोगों ने उन्हें इसे लेकर ट्रोल भी किया है।मोनालिसा भोजपुरी एक्ट्रेस है। उन्होंने भोजपुरी की कई फिल्मों में काम किया है। तस्वीरों में उनके बाल खुले हुए हैं। उन्होंने मेकअप कर रखा है। उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है और वह दिलकश अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही है। मोनालिसा कान अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत भी करती है। इसके अलावा वह कई अवसर पर डांसिंग रील भी बनाती नजर आती है। मोनालिसा ने कई कलाकारों के साथ काम किया है। उनकी फिल्में काफी पसंद की जाती है। वह कई म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी है। वह अक्सर अपनी डांसिंग रील भी शेयर करती हैं जो कि काफी वायरल भी होती है। मोनालिसा ने हाल ही में साड़ी में अपनी तस्वीरें शेयर की थी। वह काफी बोल्ड लग रही थी। उन्होंने कैमरे की ओर देखकर अलग-अलग अंदाज में पोज किया था।

आर्यन खान ने शाहरुख की फिल्म से किया है डेब्यू, किंग खान के लाडले को लेकर फेमस है ये बातें

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। शाहरुख खान के लाडले आर्यन खान पिछले कुछ वर्षों से लगातार लाइमलाइट में हैं। इसकी वजह अलग हो सकती है, लेकिन फैंस के बीच आर्यन खान की पॉपुलैरिटी और और उनके लुक्स का चार्म उम्र की तरह बढ़ता ही जा रहा है। आर्यन खान को लोग जितना भी जानते हैं वह सिर्फ वायर आर्यन खान और अमिताभ बच्चन की नातिन नव्या नवेली नंदा के फोटो इंटरनेट पर आई थी। दोनों लंदन के सेवेन ओक्स स्कूल में पढ़ते थे। इनकी तस्वीरें खूब सुर्खियों में रही थी जिसमें दोनों रेस्टोरेंट में देखे गए थे। इसके पहले एक एमएमएस वीडियो भी सुर्खियों में रहा था, जिसे लेकर दावा किया जा रहा था कि वीडियो में दिखने वाले हैं। गिटार के शौकीन हैं आर्यन आर्यन खान गिटार बजाने के भी शौकीन माने जाते हैं। सोशल मीडिया पर गिटार बजाते हुए उनका पुराना वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें उनकी आवाज और हंसता-खेलता चेहरा फैंस को सुनने-देखने को मिला था।आर्यन खान से जुड़ी अब तक की सबसे बड़ी कौन से बरसी है

सोशल मीडिया के जरिए ही जानते हैं। ऐसे में हम आपको उनकी लाइफ से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताएंगे, जिसे लेकर कभी व चर्चा में रहे थे आर्यन खान आज भले ही फिल्मों में नहीं देखे जाते हैं, लेकिन कभी उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म में अपीयरेंस दी थी। यह फिल्म है 'कभी खुशी कभी गम' जिसमें आर्यन ने छोटे राहुल का रोल किया था। नव्या नवेली नंदा के साथ एमएमएस वाली लड़के की शक्ल आर्यन खान से मिलती है।शाहरुख का बेटा होने की वजह से आर्यन खान को लेकर कई बार यह खबर आ चुकी है कि वह भी एक्टिंग में ही करियर बनाएंगे। लेकिन आर्यन का हाल फिलहाल में अभिनय करने में कोई इंटरेस्ट नहीं है। उनका इंटरेस्ट ऑफ एरिया राइटिंग के क्षेत्र में है। बहुत जल्द आर्यन एक वेब शो में बताओ राइटर डेब्यू भी करने उनका ड्रग्स केस में इंवॉल्व होना। अक्टूबर 2021 में लग्जरी क्रूज (मुंबई से गोवा जा रही) में रेव पार्टी के दौरान एनसीबी की छापेमारी हुई थी, जिसमें 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। इनमें आर्यन खान का नाम भी शामिल था। इसके लिए आर्यन को कुछ दिनों तक जेल में भी रखा गया था। हालांकि अब उन्हें केस में क्लीन चिट मिल गई है।

मैंने प्यार किया में सूरज बड़जात्या के साथ काम नहीं करना चाहते थे अभिनेता, फिर सलमान ने मिलाया हाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मैंने प्यार किया, हम साथ साथ है, हम आपके हैं कौन जैसी फैमिली ड्रामा फिल्म बनाने

वाले फिल्म निर्माता सूरज बड़जात्या ने एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि जब उन्होंने मैंने प्यार किया लिखी थी तो कोई भी अभिनेता काम नहीं करना चाहता था। फिल्म निर्देशक सूरज ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू में कहा, हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ हैं, विवाह जैसे मेरी फिल्मों में पारिवारिक कहानी समान है, क्योंकि जब मैंने अपनी शुरुआत की तो मेरे पिता जी ने कहा कि मैं अपने जीवन से प्रेरणा लूं और मेरे सबसे करीब मेरा परिवार ही था। इसी वजह से मैं यही कहता रहा।डायरेक्टर ने आगे कहा, मैंने जब फिल्म निर्देशक बनने का फैसला लिया तो मैं 17 साल का था और एक फिल्म के सेट पर गया था, जहां चीजें देखने के बाद मैंने फैसला लिया की मैं निर्देशक बनूंगा। लेकिन इस सब पर मेरे पिताजी को बिल्कुल भी यकीन नहीं था। पर मेरे मन पूरी तरह से तैयार था और बस उसके बाद में अपना कॉलेज करने के बजाय 19 साल की उम्र में महेश भट्ट की फिल्म में बतौर असिस्ट काम करना शुरू कर दिया। मैंने जब अपनी पहली फिल्म मैंने प्यार किया की स्क्रिप्ट लिखना शुरू किया, तब मैं 21 साल का था। मेरी पहली स्क्रिप्ट को खारिज कर दिया गया था और फिर बाद में मुझे एक नई स्क्रिप्ट लिखने में दो सालों का वक्त लगा, लेकिन स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद कोई भी अभिनेता हमारे साथ काम नहीं करना चाहता था। वहीं, उन्होंने आगे बताया कि इस फिल्म को बनाना बहुत ही कठिन था। क्योंकि राजश्री प्रोडक्शन की पिछली कई फिल्में फ्लॉप हो गई थी और फंड की परेशानी थी। लेकिन बाद में हमने अपने पहले स्क्रीन टेस्ट में फेल किए अभिनेता सलमान खान को 5 महीने बाद कास्ट कर लिया। इस फिल्म से सलमान खान ने बतौर एक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया है। हाल ही में सूरज बड़जात्या की फिल्म मल्टीस्टारर फिल्म ऊंचाई रिलीज हुई है। इस फिल्म की कहानी चार दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती हुई नजर आती है, जो अपने एक दोस्त की मौत के बाद एवरेस्ट की चढ़ाई करते हैं। ऊंचाई में अमिताभ बच्चन, बोमन ईरानी, अनुपम खेर और परिणीति चोपड़ा सहित नीना गुप्ता और सारिका ने मुख्य भूमिका निभाई है। उनकी इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है, फिल्म ने पहले दिन 1.81 करोड़ की कमाई की है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।